जुलाई–सितम्बर 2021

जयपुर अंचल की त्रैमासिक पत्रिका

मरू सृजन

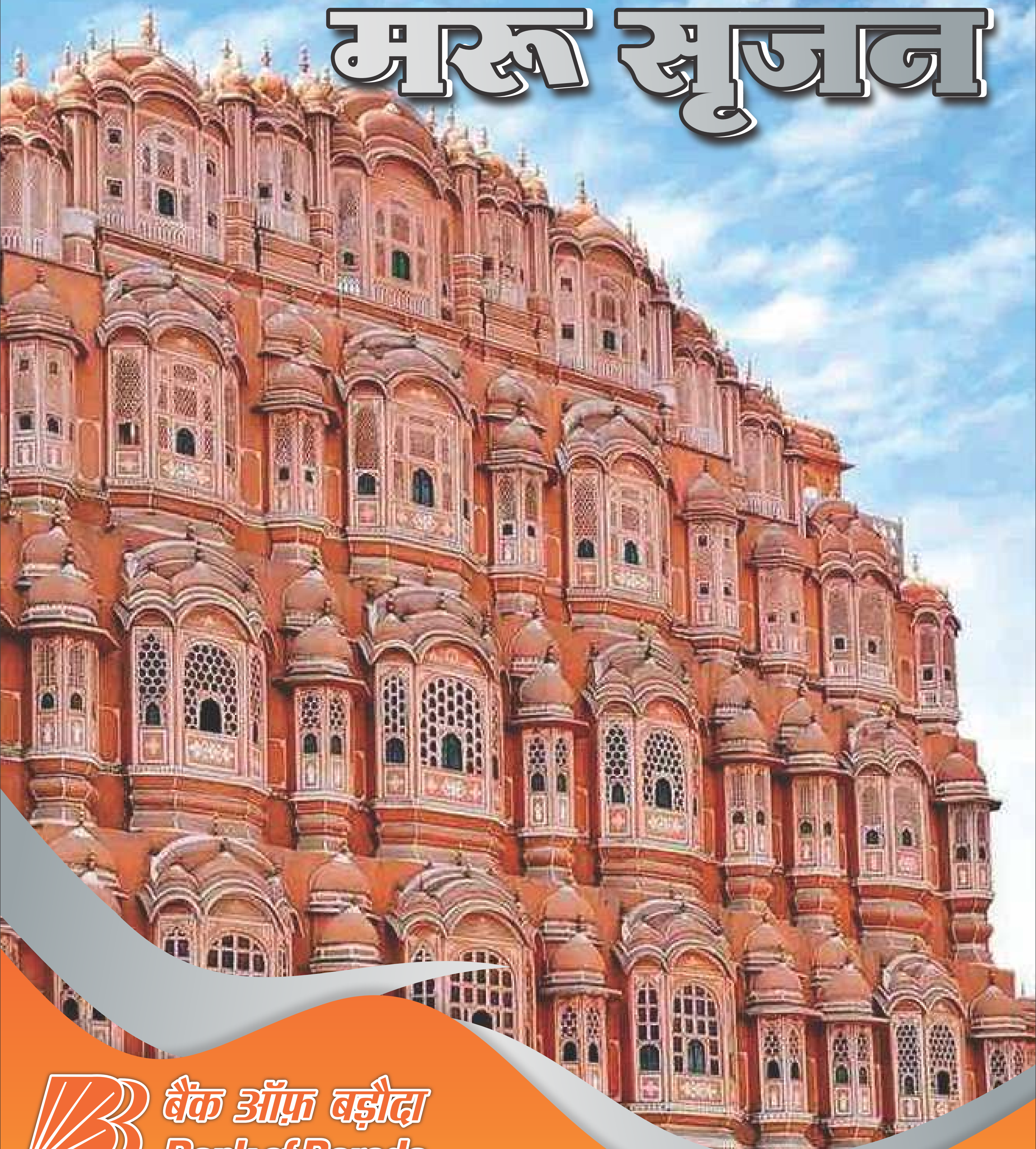

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA
देना DENA

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 150वीं बैठक

कोरोना वायरस (COVID-19) के संक्रमण के रोकथाम की कार्यवाही के चलते राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश में धारा 144 लगाने के कारण एक जगह लोगो के एकत्रित होने पर प्रतिबंध होने के कारण जून, 2021 तिमाही की राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 150वीं बैठक का आयोजन वीडियो कोन्फ्रेंस के माध्यम से करने का सर्वसम्मति से स्टियरिंग समिति में निर्णय लिया गया ताकि भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों की अनुपालना की जा सके।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 150वीं बैठक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में श्री सौरभ मिश्रा, संयुक्त शासन सचिव, वित्तीय सेवाएँ विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार, श्री भवानी सिंह देथा, शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार, श्री के.के. पाठक, ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार, डॉ. ओम प्रकाश, आयुक्त, राजस्थान सरकार, श्रीमती शुचि त्यागी, राज्य मिशन निदेशक– एलपी व राजीविका विभाग, राजस्थान सरकार, श्रीमति शैली किशनानी, प्रबंध निदेशक, अनुजा निगम, राजस्थान सरकार, श्रीमती रश्मि गुप्ता, आयुक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार, श्री मुकेश कुमार, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, श्री पुष्प पाण्डेय, महाप्रबंधक, नाबार्ड, श्री राजेश कुमार मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री महेंद्र सिंह महनोत, संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति व महाप्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा राज्य सरकार एवं भारत सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, सिडबी, विभिन्न बैंकों, बीमा कम्पनियों व वित्तीय संस्थाओं के कार्यपालकों व अधिकारियों द्वारा सहभागिता की गयी।

अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय सहयोगियो,

नमस्कार

अंचल की पत्रिका मरू सृजन के माध्यम से आप सभी से संवाद करना हमेशा आनंददायक होता है। हर्ष का विषय है कि वित्तीय वर्ष 2021–22 के सितंबर तिमाही में अंचल का व्यावसायिक कार्यनिष्पादन अच्छा रहा । तिमाही समाप्ति के दौरान अर्जित सभी सफलताओं का श्रेय मैं अंचल के सभी स्टाफ़ सदस्यों को देता हूँ ।

विगत तिमाही में अंचल द्वारा बैंक के विभिन्न व्यावसायिक मानदंडों जैसे–कुल अग्रिम, गैर ब्याज आधारित आय अर्जन, कृषि अग्रिम, गोल्ड लोन, आवास ऋण, शिक्षा ऋण, डब्ल्यू एम एस उत्पाद, सरकारी व्यवसाय के विभिन्न उत्पादों के संग्रहण, बी सी एम एस खाते खोलने, अंचल के कासा शेयरों में वृद्धि करने, कासा जमा राशियों, मांग जमा, खुदरा मियादी जमा, एस एम एस द्वारा ऋण संवितरण, बी के सी सी खातों में धन संग्रहण, एस एम ई ऋण संवितरण,वसूली व अपग्रेडेशन के लक्ष्य की पूर्ति, कलेक्शन एफिसिएंसी, डिजिटल बैंकिंग के विभिन्न लक्ष्यो जैसे–बॉब वर्ल्ड व एक्टिवेशन, यू पी आई व बड़ौदा कनेक्टल मोबीलाइजेशन, एटीएम हिटस में वृद्धि करना, हानि दर्शाने वाली शाखाओं में लगातार कमी करने आदि में अंचल ने बेहतरीन कार्य किया गया है । इसके अलावा बैंक के अनुपालन के मानक स्तरों की प्राप्ति हेतु भी पूर्ण निष्ठापूर्वक कार्य किया गया है फलस्वरूप इन क्षेत्रों में भी हमें व्यापक सफलता मिली है जैसे –सभी प्रकार के शिकायतों का तय समय सीमा के भीतर त्वरित निपटान करना, सर्मो प्लस अनुपालन में उच्चतम स्थिति प्राप्त करना, प्रधान कार्यालय द्वारा जारी के आर आई–2 पैरामीटर में लगातार 02 माह से उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन कर प्रमाण पत्र प्राप्त करना । इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि हम सभी अपने अंचल सहित बैंक के सर्वांगीण विकास हेतु न केवल कटिबद्ध हैं, अपितु सतत गतिमान भी हैं । हमें अपने इस गति को भविष्य में बरकरार रखनी है और यह प्रयास करना है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक जयपुर अंचल अपने सभी लक्ष्यों की प्राप्ति कर एक नया कीर्तिमान स्थापित करे ।

इस अवसर पर मैं मार्टिंग लूथर किंग की इस उक्ति का उल्लेख करना चाहता हूं कि–''अगर आप उड़ नहीं सकते तो दौड़िये, अगर दौड़ नहीं सकते तो चलिए और अगर चल भी नहीं सकते तो रेंगिए, जो कुछ भी कीजिए, लेकिन आपको सिर्फ आगे ही बढ़ना है''।

आइए हम इस उक्ति को अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में धारण करें और सफलता के शिखरों को स्पर्श करें ।

शुभकामनाओं सहित,

(महेन्द्र सिंह महनोत)
महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख

उप अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय साथियो,

आप सभी को नमस्कार !

अंचल की पत्रिका मरु सृजन के माध्यम से आप सभी से अपने विचार व्यक्त करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सितंबर तिमाही के परिणाम हमारे सामने हैं। इस तिमाही में भी अंचल का कार्यनिष्पादन बेहतरीन रहा, हमने विभिन्न व्यावसायिक मानदंडों जैसे–विभिन्न अग्रिम संविभागों, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों, कासा जमाराशियों वसूली अपग्रेडेशन, डिजिटल बैंकिंग, डबल्यूएमएस उत्पादों की बिक्री आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके अलावा तिमाही में अंचल द्वारा नकदी प्रबंधन, शिकायतों के यथा समय निवारण, विभिन्न प्रकार के अनुपालन दिशा–निर्देशों पर उच्च स्तर पर व सराहनीय कार्य किया गया।

सितम्बर माह में सम्पूर्ण अंचल में हिन्दी माह मनाया गया, जिसमें सभी शाखाओं एवं क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर हिन्दी में कामकाज हेतु एक उत्साहपूर्ण माहौल निर्मित हुआ। इन सभी प्रयासों के कारण ही राजभाषा कार्यान्वयन की दृष्टिकोण से बैंक द्वारा जुलाई माह से शुरू किए गए राजभाषा रैंकिंग एवं रेटिंग प्रणाली में जयपुर अंचल एवं हमारे बैंक द्वारा संचालित, बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जयपुर शुरुआत से ही अखिल भारतीय स्तर पर लगातार अग्रणी स्थान पर रहे।

इन सभी उपलब्धियों के लिए मैं अंचल के सभी स्टाफ़ सदस्यों को बधाई देता हूँ साथ ही भविष्य में भी इसी ऊर्जा एवं उत्साह के साथ कार्य करने की अपील करता हूँ।

शाखाओं में कार्यरत सभी साथियों से विशेष आग्रह है कि प्रत्येक स्टाफ़ बैंक द्वारा प्रदत्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सदैव प्रयत्नशील रहें। ज्यादा सतर्क एवं जागरूक होकर कार्य किए जाएँ ताकि धोखाधड़ी की घटनाएँ न होने पाएँ। बी सी एस बी आई एवं उच्च प्रबंधन द्वारा जारी सभी दिशा–निर्देशों का शत–प्रतिशत अनुपालन हो। शाखाओं के व्यापक नोटिस बोर्ड में बैंकिंग लोकपाल का नाम, पता व पूर्ण विवरण लिखा हो एवं त्वरित शिकायत निवारण पर ध्यान दिया जाए और प्रत्येक स्टाफ़ द्वारा बैंक की छवि को ध्यान में रखकर सेवा दी जाए ताकि हम अपने बैंक में सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण माहौल निर्मित करने में सफल हो सकें। इस संबंध में प्रसिद्ध विद्वान व विचारक आइज़क डिजरायली ने बिल्कुल सही कहा था कि –

व्यक्तियों से राष्ट्र नही बनता, संस्थाओं से राष्ट्र बनता है

आइए हम सब सर आइज़क डिजरायली के इस उक्ति पर गहन विचार कर अपने मातृसंस्था की उन्नति हेतु अपना शत–प्रतिशत योगदान दें।

भविष्य की शुभकामनाओं के साथ

(आर सी यादव)

उप महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख

उप महाप्रबंधक नेटवर्क का संदेश

प्रिय बड़ौदियन साथियो,

आप सभी को मेरा नमस्कार !

आंचलिक पत्रिका मरू सृजन के माध्यम से आप सभी से संवाद करने में मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। हर्ष का विषय है कि हर बार की तरह सितंबर तिमाही में भी जयपुर अंचल का कार्यनिष्पादन बेहतर रहा । हमने कई व्यावसायिक मानदंडों में बेहतर कार्यनिष्पादन किया है, फलस्वरूप हमें अखिल भारतीय स्तर पर कई सम्मान भी प्राप्त हुए हैं । इन सभी उपलब्धियों के लिए आप सभी को हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन कि हमने एक बार फिर यह सब करके दिखलाया है ।

विगत तिमाही में अंचल में इन मानदंडों जैसे – अग्रिम, कृषि अग्रिम, गोल्ड लोन, आवास ऋण, शिक्षा ऋण, डब्ल्यू एम एस उत्पाद, सरकारी व्यवसाय, बी सी एम एस खाते खोलने, कासा, मियादी जमा, बी के सी सी खातों में धन संग्रहण, एस एम ई ऋण संवितरण, डिजिटल बैंकिंग के विभिन्न उत्पादों में जयपुर अंचल का कार्यनिष्पादन बेहतरीन रहा है । इन सभी उपलब्धियों के लिए निश्चय ही आप सभी बधाई के पात्र हैं ।

भविष्य में भी हमें अपने सर्वोत्तम प्रयास जारी रखने हैं । आगामी समयावधि में पर्व व त्योहारों को देखते हुए हमें व्यवसाय संग्रहण में भी गति लानी है। इस हेतु विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सरकारी संस्थानों, शैक्षणिक संस्थाओं आदि से संपर्क बढ़ाए जाएँ ताकि हमें व्यवसाय वृद्धि के मौके मिल सकें ।

आप अवगत ही होंगे कि कॉर्पोरेट एवं अंचल कार्यालय द्वारा भविष्य के अवसरों को देखते हुए ही विभिन्न अभियान चलाए जाते हैं अतएव इन अभियानों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लें ताकि हमारा नेटवर्क सहित अंचल अखिल भारतीय स्तर पर प्रतिष्ठित हो सके ।

कहते हैं कि हमारी आज की सोच ही हमारे कल का निर्माण करती है, इसलिए प्रसिद्ध लेखक पाउलो कोइल्हो के इस विचार को कि –

''अक्षर आप छोटा सोचेंगे,तो आपकी दुनिया छोटी होगी. अगर आप बड़ा सोचेंगे, तो आपकी दुनिया बड़ी होगी''

को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य बनाएँ एवं उसे पूरा करने में पूर्ण निष्ठा से जुट जाएँ । कृपया अपना व अपनों का ख़्याल रखते हुए गतिमान रहें ।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रदीप के बाफ़ना)

उप महाप्रबंधक नेटवर्क–1

उप महाप्रबंधक नेटवर्क का संदेश

प्रिय सहयोगियो,

आप सभी को मेरा नमस्कार !

अंचल की पत्रिका मरू सृजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है । यह हम सब के लिए गर्व की बात है कि हम देश के प्रतिष्ठित जयपुर अंचल में कार्यरत हैं, जिसका बैंक के समग्र व्यवसाय वृद्धि में अग्रणी योगदान रहता है, इस तथ्य की पुष्टि हमारे प्रत्येक तिमाही के परिणाम से स्पष्ट होता है। सितंबर तिमाही में जयपुर अंचल ने अग्रिम, कृषि अग्रिम, गोल्ड लोन, आवास ऋण, शिक्षा ऋण, डब्ल्यू एम एस उत्पाद, सरकारी व्यवसाय, कासा संग्रहण, मियादी जमा संग्रहण, डिजिटल बैंकिंग आदि संविभागों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन किया है, यह सब अंचल के सभी स्टाफ़ सदस्यों की अटूट मेहनत व श्रेष्ठ प्रयासों से ही संभव हो पाया है । इस आशय हेतु आप सभी को हार्दिक बधाई ।

आप अवगत ही हैं कि बैंकिंग में चुनौतियाँ समय दर समय बढ़ती जा रही हैं । यदि हमें अपने अंचल व बैंक को उच्चतम स्थान पर विराजित रखना है तो सटीक रणनीति बनाकर उचित कार्य करने ही होंगे जैसे- हानि दर्शाने वाली शाखाओं को जल्द से जल्द लाभप्रदता में लाने के लिए हर संभव प्रयास करना, सभी क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा लक्ष्यानुरूप शाखा निरीक्षण करना, लगातार व्यवसाय संग्रहण हेतु क्षेत्राधीन प्रतिष्ठानों, संस्थानों से संपर्क स्थापित करना व बैंक के विभिन्न उत्पादों की कैनवासिंग करना, क्षेत्रवार डी एल पी में गुणात्मक वृद्धि करना, क्षेत्रों में बी सी की संख्या में वृद्धि करना, 10000 से कम के लेनदेन को बी सी पॉइंट पर शिफ्ट करने के प्रयास करना, शाखा में पधारने वाले सभी ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग एवं लेंडिंग हेतु प्रोत्साहित करना, प्रतिदिन अधिक से अधिक बचत एवं चालू खाते खोलने के प्रयास करना, इन सब तरीकों से हम अपने लक्ष्य तक आसानी से पहुँच सकते हैं ।

कहते हैं कि संकल्प से ही सिद्धि मिलती है अतः इस संकल्प के साथ कि -

जीतूँगा मैं, यह ख़ुद से वादा करो,
जितना सोचते हो, कोशिश उससे ज्यादा करो,
तकदीर भी रूठे पर हिम्मत न टूटे,
मजबूत इतना अपना इरादा करो।

इस पंक्ति को सार्थक करते हुए अंचल के व्यवसाय वृद्धि में पूर्ण निष्ठा से जुट जाएँ।

आप सभी जीवन के हर पड़ाव पर सफ़ल हों, ऐसी शुभकामनाएं -

(बी एल मीना)
उप महाप्रबंधक नेटवर्क-2

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

संरक्षक

श्री महेन्द्र सिंह महनोत
अंचल प्रमुख,
जयपुर अंचल

श्री आर सी यादव
उप अंचल प्रमुख,
जयपुर अंचल

श्री प्रदीप कुमार बाफना
उप महाप्रबंधक (नेटवर्क),
जयपुर अंचल

श्री बी एल मीना
उप महाप्रबंधक (नेटवर्क),
जयपुर अंचल

परामर्श

श्री संतोष कुमार बंसल
क्षेत्रीय प्रमुख, जयपुर क्षेत्र

श्री एस. के. बिरानी
क्षेत्रीय प्रमुख, अजमेर क्षेत्र

श्री योगेश यादव
क्षेत्रीय प्रमुख, बीकानेर क्षेत्र

श्री अनिल कुमार माहेश्वरी
क्षेत्रीय प्रमुख, उदयपुर क्षेत्र

श्री मुकेश कुमार जैन
क्षेत्रीय प्रमुख, बांसवाड़ा क्षेत्र

श्री राजेश कुमार शर्मा
क्षेत्रीय प्रमुख,
अलवर क्षेत्र

श्री मुकेश मेहरा
क्षेत्रीय प्रमुख, कोटा क्षेत्र

श्री सुरेश बूंटोलिया
क्षेत्रीय प्रमुख, जोधपुर क्षेत्र

श्री सुरेश कुमार खटोर
क्षेत्रीय प्रमुख, भीलवाड़ा क्षेत्र

श्री एस आर मीणा
क्षेत्रीय प्रमुख, भरतपुर क्षेत्र

श्री बी एल सुंडा
क्षेत्रीय प्रमुख, झुंझुनू क्षेत्र

श्री वी. सी. जैन
क्षेत्रीय प्रमुख,
सवाईमाधोपुर क्षेत्र

संपादक

श्री सोमेन्द्र यादव
मुख्य प्रबन्धक, (राजभाषा)
अंचल कार्यालय, जयपुर

संपादकीय सहयोग

श्री जयपाल सिंह शेखावत
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
अंचल कार्यालय, जयपुर

संपादकीय सहयोग

श्री ओमप्रकाश मीणा
प्रबंधक (राजभाषा), भीलवाड़ा क्षेत्र

श्रीमती ज्योति अग्रवाल
प्रबंधक (राजभाषा),
सवाईमाधोपुर क्षेत्र

श्रीमती भारती प्रतिहार
प्रबंधक (राजभाषा), उदयपुर क्षेत्र

सुश्री मेघा नैन
राजभाषा प्रभारी,
अलवर क्षेत्र

संपादकीय सहयोग

सुश्री अंकेश कुमारी
प्रबंधक (राजभाषा), भरतपुर क्षेत्र

श्री मनीष व्यास
प्रबंधक (राजभाषा), अजमेर क्षेत्र

श्रीमती अनीता
प्रबंधक (राजभाषा), बीकानेर क्षेत्र

श्री विनोद बैरवा
प्रबंधक (राजभाषा)

श्री राकेश कुमार सबल
प्रबंधक एवं राजभाषा प्रभारी, भरतपुर क्षेत्र

संपादकीय

हमारे अंचल की पत्रिका 'मरु-सृजन' के एक और अंक के माध्यम से आप सभी से संवाद का अवसर प्राप्त हो रहा है। कहते हैं, जब सभी पैर एक ही राह में एक ही दिशा में चलें, तो कोई मंजिल दूर नहीं होती। आप सभी को सूचित करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि आप सभी के सहयोग और प्रभावी कार्यान्वयन के चलते हम प्रधान कार्यालय द्वारा जारी अंचलों की रैंकिंग में जुलाई 2021 माह से अब तक अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहे हैं। इसका श्रेय मैं हमारे उच्च प्रबंधन द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन और आप सबके राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति झुकाव को देता हूँ। अंचल के तत्वावधान में कार्यरत बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति भी अगस्त-2021 माह से प्रथम स्थान पर बनी हुई है।

'मरु-सृजन' का यह अंक आपको समर्पित है। पत्रिका के इस अंक में हमने **'बैंकों पर सोशल मीडिया का प्रभाव'**, **'बदलते परिवेश की बैंकिंग : चुनौतियाँ एवं समाधान'**, **'मजबूत और सुरक्षित साइबर प्रणाली : अपरिहार्य आवश्यकता'** जैसे प्रासंगिक बैंकिंग आलेख सम्मिलित किए हैं, वहीं **'मन की शक्ति मुसीबतों से लड़ना सिखाती है'** और **'संस्कृतियों के संगम की अनूठी झलक : पुष्कर मेला'** जैसे उपयोगी आलेखों को भी स्थान दिया है। इनके अतिरिक्त, सभी क्षेत्रों की व्यावसायिक एवं राजभाषाई गतिविधियों को भी प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है।

पत्रिका को बेहतर बनाने हेतु आपके सुझावों का सादर स्वागत है, हमें अपनी टिप्पणियाँ **rajbhasha.rz@bankofbaroda.com** पर अवश्य प्रेषित करें।

सादर

सोमेन्द्र यादव
मुख्य प्रबंधक (राजभाषा)

अनुक्रमणिका

अंचल प्रमुख का संदेश	1
उप अंचल प्रमुख का संदेश	2
उप महाप्रबंधक नेटवर्क का संदेश	3
उप महाप्रबंधक नेटवर्क का संदेश	4
संपादकीय	5
मन की शक्ति ही मुसीबतों से लड़ना सिखाती है	6-7
क्योंकि नारी हूं मैं	8
सफलता की कहानी-सीतापुरा शाखा, जयपुर क्षेत्र	9
संस्कृतियों के संगम की अनूठी झलक : पुष्कर मेला	10-11
बैंको पर सोशल मीडिया का प्रभाव	12-13
हम समंदर वाले हैं	13
मज़बूत और सुरक्षित साइबर प्रणाली	14-15
बदलते परिवेश की बैंकिंग- चुनौतियाँ एवं समाधान	16-18
लोक कथाओं के जादूगर : बिज्जी	19-20
क्या आप जानते हैं?	21
आंचलिक गतिविधियां	22-26
राजभाषा संबंधी गतिविधियां	27-32

सम्पर्क :
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
अंचल कार्यालय, जयपुर अंचल
बड़ौदा भवन, प्लॉट नं. 13, एयरपोर्ट प्लाजा,
दुर्गापुरा, टोंक रोड, जयपुर-302018
rajbhasha.rz@bankofbaroda.com

पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, बैंक का उनसे सहमत होना जरुरी नहीं है।

मन की शक्ति ही मुसीबतों से लड़ना सिखाती है

राह मुश्किल है लेकिन, चलने की बात कर
बिगड़े हैं हालात तो उनको, बदलने की बात कर
कायर की जिंदगी जीने से, लाख बेहतर है कि
शेर सा लड़ता हुआ, मरने की बात कर.....

कुछ लोग समस्याओं मे उलझ कर बिखर जाते हैं और कुछ उनसे सबक लेकर निखर जाते हैं । हम सभी अपने जीवन में कई तरह की मुसीबतों का सामना करते हैं, कभी–कभी लगता है कि बच्चा होना ही बेहतर था मगर हम भूल जाते हैं कि बच्चे का संघर्ष तो माँ के गर्भ में आने के साथ ही शुरू हो जाता है। बच्चे भी संघर्ष करते हैं, वे संघर्ष करते हैं अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए, जब वे रोना सीखते हैं। नयी–नयी चीजों को सीखने के लिए संघर्ष करते हैं। इसी तरह से हम सभी किसी ना किसी तरह की समस्याओं से जूझते हैं। संघर्ष करने का यह मतलब नहीं है कि हम उससे उबर नहीं सकते या अपनी मुश्किलों के प्रति साहसिक नहीं हो सकते। हमारा संघर्ष ही हमें मजबूत बनाता है और हमारे जीवन में आने वाली तमाम समस्याओं से जूझने में सार्थक बनाता है। हम सभी परेशानियों का सामना करते हैं लेकिन यहाँ पर केवल कुछ ही होते हैं जो इसे दिखाते हैं या इस बारे में बात करते हैं। यह सीख लेना ज्यादा बेहतर होगा कि आप अपनी भावनाओं को कैसे नियंत्रित करते हैं और किस साहसिक तरीके से मुश्किल समय में व्यवहार करते हैं।

हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने सही कहा है कि परिस्थितियाँ मनुष्य को कष्ट पहुंचा सकती हैं, धक्का दे सकती हैं पर रगड़ कर नष्ट नहीं कर सकती। मनुष्य परिस्थितियों से बड़ा है बशर्ते वह मनुष्य हो। किसी तरह जीवित रहकर मरने की तैयारी करने वाला नहीं मुश्किलों का सामना कीजिए, उनसे समझौता नहीं। कुछ सूत्र निःसंदेह जीवन में अपनाने योग्य हैं जो व्यक्ति को आत्मबल, आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का रास्ता बताती हैं।

1. सकारात्मक रहें

जब हम सकारात्मक सोचना शुरू करते हैं, हमारे चारो तरफ स्वतः ही सकारात्मक शक्तियां आने लगती हैं। इसलिए कभी किसी को किसी भी तरह की परिस्थिति के लिए डरना नहीं चाहिए।

जैसा कि मशहूर प्रेरक, वक्ता और लेखक, मिस्टर नार्मन विंसेंट ने अपनी किताब ***'द पॉवर ऑफ़ पॉजिटिव थिंकिग'*** में सकारात्मक सोच को लेकर तीन जरूरी बातें कही हैं। उन्होने बताया है कि किसी भी व्यक्ति को चाहिये कि –

खुद पर भरोसा करें: हमेशा खुद पर भरोसा करें क्योंकि ये सिर्फ आप ही होते हैं जो अपनी समस्याओं से साहसिक तरह से जूझ सकते हैं। अपनी समस्या के बारे में सोचें और उसके परिणाम के बारे में कल्पना कीजिये और एक बार जब हम जान जाएंगे कि आखिरकार इसके प्रभाव क्या होंगे तो हम निर्भयी हो जायेंगे। इसलिए खुद पर यकीन करें क्योंकि अपनी समस्याओं से आप ही निपट सकते हैं।

आत्मविश्वास बनाए रखें: अगर आप आश्वस्त हैं कि कोई आपको नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। तो यकीनन कोई आपको नुकसान नहीं पहुँचा सकता, मान लीजिए कि एक चोर ने आपका पर्स चुरा लिया है जिसमें आपका कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण था, तो क्या आप पुलिस का इंतजार करेंगे या चोर के पीछे भागने का विकल्प चुनेंगे। हालाँकि आप एथलीट नहीं हैं, फिर भी आप पूरी कोशिश करेंगे और संभव है कि चोर को पकड़ भी सकते हैं। यह आपका आत्मविश्वास ही होता है जो आपके लिए चीजों को संभव बनाता है।

आपका रवैया: स्थिति चाहे जो भी हो, उसे कभी भी आप पर हावी नहीं होने देना चाहिए। यह विश्वास रखिए कि जीवन में कुछ भी स्थाई नहीं है जब सुख नहीं टिक पाता तो दुःख की क्या बिसात। महत्वपूर्ण यह है कि आप सकारात्मक और धैर्यवान बने रहें अपना आत्मबल न खोएँ। आपका दृष्टिकोण आपके जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. अपनी समस्या का विश्लेषण करें

कभी कभी हमारा मन हमारी समस्याओं को और भी ज्यादा बढ़ा देता है और हम असुरक्षित और भयभीत महसूस करने लगते हैं। हमेशा अपनी समस्या का विश्लेषण करें और सभी संभावनाओं के बारे में सोचें। आराम करें और उन सभी तथ्यों और चीजों पर विचार करें जो हो सकती हैं। मान लीजिए कि आप अपनी एक प्रतियोगी परीक्षा में असफल हो गए हैं। अब या तो आप परीक्षा की तैयारी बंद कर सकते हैं या फिर बैठकर अपनी कमियों का विश्लेषण कर सकते हैं।

अब उन सभी संभावनाओं के बारे में सोचें जो हो सकती हैं। मान लीजिए कि आप अपने माता–पिता को क्या जवाब देंगे? क्या आप दूसरी नौकरी पाने के लिए उपयुक्त नहीं हैं? क्या आप इसके लिए फिर से तैयारी कर सकते हैं? या आत्महत्या करने के अलावा अब कोई भी विकल्प नहीं बचा है। मुझे नहीं लगता कि इसके अलावा कोई अन्य स्थिति हो सकती है। अब आप जानते हैं, आपके पास एक और मौका हो सकता है या आप एक और नौकरी के लिए जा सकते हैं और आत्महत्या अंतिम समाधान है, जो ज्यादातर लोग सोचते हैं।
लेकिन जब आपके पास ये कई विकल्प हैं तो आपको खुद को समाप्त करने के बारे में क्यों सोचना चाहिए, क्योंकि यह भी एक अपराध है। इसलिए, जब आप अपनी समस्या का विश्लेषण करते हैं तो यह आपके डर को स्वचालित रूप से दूर करता है और आपके भीतर एक नई आशा की किरण जगाता है।

3. अपनी मानसिकता बदलें

हमारे पास कई चीजों के लिए एक निश्चित मानसिकता है और हम आमतौर पर उसी के अनुसार सोचते हैं। यह हमारी मानसिकता ही है, जो हमें कभी भी कुछ परे सोचने की अनुमति नहीं देती है। इसलिए, हमेशा नकारात्मक नहीं बनाना चाहिए। यह आपके ऊपर है कि आप क्या चुनते हैं? सामाजिक मानसिकता विकसित न करें, सोचें और अपने खुद के विचार रखें यह आपकी समस्याओं से निपटने में आपकी मदद करेगा और आपको साहसिक बनाएगा।

4. अपनी समस्याओं से भागो मत

हम सभी अपने जीवन में तमाम तरह की समस्याओं का सामना करते हैं और उसके परिणामस्वरूप कुछ कार्य करते हैं। लेकिन कभी–कभी हम अनियंत्रित तरीके से व्यवहार करते हैं और तब लोग आसानी से हमें नोटिस भी कर सकते हैं। इसलिए, स्थिति चाहे जैसी भी हो, दूसरों को इसके बारे में पता न चलने दें, क्योंकि यह हर कोई नहीं है जो वास्तव में आपको समझ जाएगा। इसे हल करने के बजाय लोग आपका मज़ाक उड़ाना शुरू कर देते हैं, इसलिए इसे केवल अपने निकट और प्रिय लोगों के साथ साझा करें। अपनी समस्याओं का सामना शानदार तरीके से करें और कभी भी इसकी कोई निशानी अपने ऊपर न छोड़ें। ऐसा करना न सिर्फ आपको साहसी बनाएगा बल्कि समाज ऐसे लोगों की प्रशंसा भी करता हैं जो अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ अपनी समस्याओं का सामना करते हैं।

5. अपनी भावनाओं पर काम करें

हमारी भावनाएं हमारे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हमारे लिए यह सीखना बेहद ही आवश्यक है कि इसे कैसे नियंत्रित किया जाए। हर किसी को इस पर निश्चित रूप से काम करना चाहिए और इसका सबसे बेहतर तरीका है योग का अभ्यास। योग केवल शारीरिक व्यायाम के लिए ही नहीं होता है; यह आपके विचारों और आंतरिक विचारों को नियंत्रित करने के कुछ अभ्यास से भी संबंधित है। भावनाएँ हमें बिखेरती हैं और कमज़ोर बनाती हैं, इसलिए इस पर काम करना बेहद आवश्यक है। हमारे आंतरिक विचार और भावनाएं ही हमारी आंतरिक शक्ति का निर्माण करते हैं, इसलिए हमेशा मजबूत रहें।

6. अपने भीतर के नकारात्मक विचारों के साथ लड़ें

जब आप कमज़ोर महसूस करते हैं, तो आप खुद को अकेला, बिखरा हुआ और भयभीत महसूस करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपने आसपास के बदलावों के बारे में सोचा है। मान लीजिए कि आप अपने व्यवसाय में असफल हो गए और आप इसके बारे में दुखी हैं, तो क्या आपने सांस लेना बंद कर दिया है? या आपके आसपास का वातावरण आपके प्रति क्रूर हो गया है। असल में, यह आपके भीतर के विचार हैं जो फ़र्क पैदा करते हैं। यदि आप खुद को कमज़ोर महसूस करना शुरू कर देंते हैं और सभी नकारात्मक चीजों को नोटिस करेंगे, तो यह स्वचालित रूप से आपको प्रभावित करेगा। इसलिए किसी तरह की शारीरिक क्रियाओं को दिखाने के बजाय काम करें और अगली बार सफलता प्राप्त करें।

7. प्रकृति के पास आपके लिए अद्भुत योजना है

अपने जीवन में हम सभी अलग–अलग किरदार निभाते हैं और हमारी कहानी दूसरों से अलग होती है। जब हम डर महसूस करते है और अपने मुश्किल दौर से गुजर रहे होते हैं, हममें से कुछ रोने लगते हैं और गलत चीजों के बारे में सोचने लगते हैं। ये सभी चीजें हमें निराश और चिंतित करती हैं, और सोचते हैं की आगे क्या होने वाला है? मगर यकीन कीजिये, भगवान ने हम सभी के लिए कोई ना कोई योजना बना रखी है और हममे से कोई भी भविष्य नहीं देख सकता, इसलिए हम रोते हैं और अलग–अलग तरह के काम करते हैं।

हम सभी के साथ कोई न कोई घटना होती ही है मगर इससे घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि परिस्थितियां हमेशा एक समान नहीं रहती है। वे बदलती हैं और हम अच्छे दिनों का भी आनंद लेते हैं जब हमारे बुरे दिन बीत जाते हैं। इस संसार को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए क्योंकि चीजें हमेशा बदलती रहती है। इसलिए, उठिए, मुस्कराइए, और समस्याओं को अपने जीवन का हिस्सा मान कर उन्हें अपनाइए।

फिर देखिए कि हर पल व्यस्त और कभी–कभी त्रस्त रहते हुए भी जीवन कितना आनंदमयी है। हमारे पास जो रिश्ते–नाते, दोस्त, परिवार, धन और सबसे महत्वपूर्ण जीवन है, उसके लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा कीजिए। जन्म लिया है तो एक दिन मृत्यु भी होगी, पर मृत्यु से पहले प्रति पल मर–मर कर क्यूँ जिएं सभी भावनाएं, संबंध, संपत्ति, धन सांसारिक चीजें हैं, इसलिए किसी भी चीज की चिंता करना बंद करें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। जब हम दुखी होते हैं, तो स्वयं को कमज़ोर और असहाय समझते हैं और पर पीड़क लोग हमें आसान शिकार समझते हैं। खुश रहें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें, परिणाम ईश्वर पर छोड़ दें। जीवन सुंदर है और एक ही बार मिला है। जीवन के अप्रतिम सौन्दर्य को अनुभव कीजिए, दूसरों के जीवन में प्रसन्नता बिखेरिए, अपने लिए स्वयं लड़ना सीखिए, किसी ने सही कहा है कि जीवन की जंग जीतने की जिम्मेदारी अपने ही कंधों पर उठानी पड़ती है। दूसरों के कंधों पर तो मृत शरीर चला करते हैं।

ज्योति अग्रवाल
प्रबंधक (राजभाषा)
सवाई माधोपुर क्षेत्र

क्योंकि नारी हूं मैं

ज़िद है कुछ हासिल करने की, ज़िद है हालात बदलने की
माना कि वर्तमान है संघर्ष भरा, लेकिन ज़िद है उजला भविष्य बनाने की
गर है हौसला मजबूत, तो हालात बदलूंगी मैं, हर मुश्किल से लड़कर, ज़माना बदलूंगी मैं
जो बचपन में नहीं जी सकी, जिन खिलौनों से मैं नहीं खेल सकी
अपने बच्चों को वो सुनहरा जीवन दूंगी मैं
हर मुश्किल से लड़कर, ज़माना बदलूंगी मैं, क्योंकि नारी हूं मैं
लक्ष्मी भी हूं, सरस्वती और शक्ति भी हूं
जैसे लोग हैं, उनके लिए वैसी हूं मैं, क्योंकि नारी हूं मैं
संघर्ष से तपकर, हालातों से लड़कर
आगे बढ़ना है, जमाना बदलना है.

याशिका चित्तौड़िया
वरिष्ठ प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर

ओस की वो इक बूँद

घर के आंगन के किसी कोने में,
पौधे के नव पत्ते पर,
सूरज की पहली किरण के स्पर्श से चमचमाती,
ओस की वो इक बूँद,
देती जीवन का सार,
कि क्यों ईश्वर ने रचा है हमें?
क्या है जीवन मरण चक्र?
क्या है इस क्षणभंगुर जीवन का रहस्य?
समझाया सरल हृदय से जीवन सार,
भले ही जीवन क्षणभंगुर हो,
भले ही न हो जीवन की आस,
फिर भी जन्म को सार्थक कर,
काम किसी के आना,
अपनी क्षणिक देह मिटा कर,
धरा को पोषित कर जाना।

गौरव शर्मा,
अधिकारी,
वैशाली नगर शाखा, जयपुर क्षेत्र

सफलता की कहानी–

विभिन्न व्यावसायिक मापदण्डों पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली जयपुर क्षेत्र की सीतापुरा शाखा के टीम लीडर श्री संदीप खेतान का साक्षात्कार–

1. बैंक के सभी क्षेत्रों के लिए लागू मासिक स्पर्श प्लस रैंकिंग में जयपुर क्षेत्र लगातार पाँचवी बार अखिल भारतीय स्तर प्रथम स्थान पर रहा है, इसमें एक यूनिट के रूप में आप अपनी शाखा से क्या योगदान दे रहे हैं?

शाखा द्वारा हमेशा ही उच्च प्रबंधन द्वारा समय–समय पर दिए गए बिज़नस कॉल को सकारात्मक तरीके से लेकर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही क्षेत्र की व्यावसायिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर ही काम कर शाखा क्षेत्र को एक यूनिट के रूप में सक्रिय योगदान दे पा रही है।

2. ग्राहक संतुष्टि के लिए आपकी टीम क्या–क्या विशेष कार्य करती है ?

ग्राहक संतुष्टि के लिए हमारी टीम का प्रत्येक सदस्य प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता है। शाखा के टॉप–50 बचत एवं अग्रिम खाताधारकों से मैं व्यक्तिगत तौर पर मिलता हूँ या फोन से संपर्क में रहता हूँ। अन्य ग्राहकों को भी सर्वश्रेष्ठ सेवाएँ देने का ही परिणाम हमारे व्यावसायिक लक्ष्यों की पूर्ति के रूप में परिलक्षित हो रहे हैं।

3. शाखा ने बचत जमा, कासा एवं डिमांड डिपॉज़िट के क्षेत्र में अच्छी वृद्धि दर्ज की है, इस हेतु क्या कोई विशेष रणनीति बनाई गई है?

शाखा द्वारा प्रतिदिन 4 से 5 बचत खाते एवं प्रति सप्ताह न्यूनतम 2 चालू खाते खोले जा रहे हैं। साथ ही, शाखा द्वारा अपने वर्तमान मूल्यवान ग्राहकों से उनसे डिपॉज़िट केनवास किए जाने का नियमित प्रयास किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एनआरआई ग्राहकों से भी नियमित अनुवर्तन एवं उत्तम ग्राहक सेवा के माध्यम से अच्छी डिपॉज़िट केनवास की जा रही है।

4. शाखा ने रीटेल लोन विशेषकर होम लोन सेगमेंट में विशेष उपस्थिति दर्ज करवाई है, इसके लिए क्या कोई विशेष कार्य–योजना तैयार की गई है? कृपया साझा करें। डीएसए टाइ–अप एवं फॉलो–अप हेतु क्या प्रयास किए जाते हैं?

होम लोन सेगमेंट में शाखा योजनाबद्ध तरीके से काम कर परिणाम प्राप्त कर रही है। इसके लिए क्षेत्र के सभी डीएसए से निरंतर संपर्क किया जा रहा है और अप्रूव्ड प्रोजेक्ट्स की साइट्स पर कैंप किया जा रहा है। इनके अतिरिक्त, क्षेत्र के सभी प्रॉपर्टी डीलर्स से भी लगातार संपर्क कर होम लोन की लीड प्राप्त की जा रही है।

5. शाखा द्वारा नवीन व्यवसाय संवर्धन के लिए किस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं? इसमें आपकी टीम का कैसा सहयोग रहता है?

सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया में अवस्थित होने के कारण यहाँ एमएसएमई व्यवसाय की पूरी संभावनाएं हैं जिनको व्यवसाय में तब्दील करने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा, एक्सपोर्ट यूनिट्स से भी व्यक्तिगत तौर पर मीटिंग की जा रही है। सभी अच्छे चालू खाताधारक ग्राहकों को डिजी नैक्सट प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट करने हेतु भी पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।

6. इस वित्तीय वर्ष के अंत तक आप कौन–कौनसे व्यावसायिक लक्ष्यों पर काम कर रहे हैं?

मार्च 2022 के लक्ष्यार्जन हेतु शाखा द्वारा एमएसएमई व्यवसाय पर विशेष फोकस किया जा रहा है। साथ ही, धन–संपदा एवं थर्ड पार्टी उत्पादों के विक्रय और रीटेल लोन सेगमेंट में अधिकाधिक व्यवसाय संग्रहण करने पर काम कर रहे हैं।

संदीप खेतान
मुख्य प्रबंधक
सीतापुरा शाखा, जयपुर क्षेत्र

संस्कृतियों के संगम की अनूठी झलक : पुष्कर मेला

पृथ्वी की तीसरी आंख और तीर्थों का सम्राट माने जाने वाले पुष्कर राज का देश के हिंदू तीर्थस्थानों में अलग ही महत्व है। राजस्थान में अजमेर से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस स्थल महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह अपने आप में दुनिया में अकेली जगह है जहां ब्रह्मा की पूजा की जाती है।

एक प्रसिद्ध किंवदंती और पद्म पुराण के वर्णन अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया, वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई, इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर है। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। सुहृदय नाग पर्वतमाला जो अपने आंचल में पुष्कर को समेटे है कभी अगस्त्य, विश्वामित्र कपिल तथा कण्व ऋषि–मनीषियों की तपस्या एवं हवन स्थली भी रही है।

पुष्कर की स्थिति और सृष्टि के संबंध में अनेक मत होने के उपरांत भी श्रद्धालुओं के मन में पुष्कर राज के प्रति जो आस्था है किंचित भी नहीं डिग पाती। कोई इसे सृष्टि की रचना से पूर्व ही विद्यमान मानकर आदि तीर्थ के नाम से तो कोई विश्व रचियता ब्रह्माजी का विश्व में एक मात्र तीर्थस्थली होने के प्रभाव से तीर्थ गुरु के नाम से पुकारता है। किन्तु, पुष्कर को और विशिष्ट बनाता है यहाँ प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला विश्व–विख्यात मेला जो देशी–विदेशी सभी सैलानियों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। पुष्कर मेला कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होता है और पूर्णिमा तक चलता है। मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। इसकी प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है, ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुड़े पारंपरिक मेलों में पुष्कर मेले का है। इस दौरान विदेशी सैलानी भी पूरी तरह से देशी रंग में रंग जाते हैं। मेले के दौरान निम्नांकित आयोजन अति विशिष्ट होते हैं जिनके आयोजन एवं व्यवस्थाओं में राज्य एवं स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय रहता है:

पशु मेला

मेले के दौरान यहाँ लगने वाला ऊंट मेला दुनिया में अपनी तरह का अनूठा तो है ही, साथ ही यह भारत के सबसे बड़े पशु मेलों में से भी एक है। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। मरु–प्रदेश होने के कारण यहाँ **'रेगिस्तान के जहाज'** की विशिष्ट नस्लें तो देखने को मिलती ही हैं। लेकिन कालांतर में इसका स्वरूप एक विशाल पशु मेले का हो गया है, इसलिए लोग यहाँ ऊंट के अलावा घोडे, हाथी, और बाकी मवेशी भी बिक्री हेतु आते हैं। कभी–कभार यहाँ बिकने वाले एक–एक भैंसे या घोड़े की कीमत लाखों–करोड़ों तक पहुँच जाती है और ऐसे मवेशियों को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता है। सैलानियों को इन पर सवारी का लुत्फ मिलता है सो अलग। इस दौरान लोक संस्कृति व लोक संगीत का शानदार नज़ारा देखने को मिलता है।

कार्तिक स्नान

मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बड़ी संख्या में नज़र आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फ़रोख़्त पर ज़ोर रहता है, वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

सांस्कृतिक आयोजन

मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का संगम सा देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शरीक होने आते हैं। कला संस्कृति तथा पर्यटन विभाग इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। प्रतियोगिताएं जैसे मटका फोड़, सबसे लम्बी मूंछें आदि इस मेले की शोभा को और बढ़ाती हैं। इन आकर्षक प्रतियोगिताओं का आप भी हिस्सा बन सकते है और साथ ही पतंग महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है। इस मेले की एक और खासियत है लगान वाले मैच का आयोजन। इसमें स्थानीय लोगों और विदेशियों के साथ मैच कराया जाता है। रस्साकशी जैसे खेल में जब एक और ग्रामीण देशी युवतियों और एक और विदेशी बालाओं के बीच मुक़ाबला होता है तो नज़ारा वाकई देखने लायक होता है। आपने अक्षर कभी गर्म गुब्बारे में सवारी न की हो तो आपके लिए पुष्कर मेले में इसका भी प्रबंध है। आसमान में ऊपर उड़ते हुए नीचे पुष्कर का मेला देखना बेहद अद्भुत लगता है जो कि अपने-आप में इसे अलग बनाता है। मेले के दौरान यहाँ देशी-विदेशी संगीत का अद्भुत फ्यूज़न देखने को मिलता है। यहां आप कई जबरदस्त बैंड्स की लाइव परफॉरमेंस का मजा ले सकते हैं।

लज़ीज़ व्यंजन और ख़रीदारी

राजस्थानी खाने की बात किए बिना इस मेले की विशिष्टताओं का वर्णन अधूरा है। मेले के दौरान लगी खाने की स्टॉल में **'दाल-बाटी-चुरमा', 'गट्टे की सब्जी'** और **'राबड़ी'** आदि जैसे लज़ीज़ राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद सैलानी लंबे समय तक याद रखते हैं। पुष्कर मेले में भारत के सर्वश्रेष्ठ कारीगर भी आते है और खरीदारी भी खूब जमकर होती है। कशीदाकारी वाले मोती, सुंदर रंगीन चूड़ियाँ, पीतल के बर्तन, चमड़े का सामान, अद्वितीय कढ़ाई वाले कपड़े इस मेले के शॉपिंग अनुभव को यादगार बनाते हैं।

तो इस बार एक धर्म-स्थल की यात्रा का पुण्य लाभ कमाने और अनूठे मेले के रोमांच के संगम को महसूस करने, आप पधार रहे हैं न?

जयपाल सिंह शेखावत
वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा
जयपुर क्षेत्र

बैंको पर सोशल मीडिया मार्केटिंग का प्रभाव

सोशल मीडिया वेबपत्रो (websites) एवं एप्लीकेशन की एक ऐसी श्रृंखला है जो लोगो को शीघ्रता से, प्रभावी ढंग से एवं वास्तविक समय में सामग्री साझा करने की सुविधा देती है । सोशल मीडिया लोगों के व्यक्तिगत या समूह में उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल के द्वारा एक ऑनलाइन सामाजिक जाल का निर्माण करता है जिसके द्वारा उपयोगकर्ता एक दूसरे के साथ अपने विचार या अनुभव साझा कर सकते हैं, किसी विषय पर चर्च कर सकते हैं एवं सूचनाओं का वास्तविक समय में आदान प्रदान कर सकते हैं ।

आज covid-19 महामारी के दौरान रोज़मर्रा के जीवन में सोशल मीडिया धीरे धीरे लगभग सभी पहलुओं पर अपनी पकड़ बनती जा रही है और परम्परागत मीडिया के साधनों को रिप्लेस कर रही है । सोशल मीडिया का आज केवल वह स्थान नहीं रह गया है, जहाँ पर उद्योग केवल अपने ग्राहकों से संवाद कर सके, बल्कि सोशल मीडिया आज एक ऐसे मार्ग के रूप में विकसित हो रहा है, जहाँ उद्योग स्थायी एवं लाभदायक सम्बन्ध अपने ग्राहकों से स्थापित कर सकता है ।

बैंकिंग क्षेत्र भी आज सोशल मीडिया की क्षमता से अच्छी तरह से अवगत है, ये ग्राहकों को एक आवाज प्रदान करता है, और बैंक को साथ ही साथ पारम्परिक साधनों की तुलना में ज़्यादा से ज़्यादा ग्राहकों तक पहुंच और संवाद प्रदान कराता है, आज covid-19 महामारी के समय बैंकिंग भविष्य में डिजिटल माध्यमों से ही होगी और सोशल मीडिया इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा ।

BRC नीलसन के सर्वे के अनुसार भारत में जहाँ अन्य क्षेत्रो ने ऋणात्मक वृद्धि है वही टेलीविजन और स्मार्ट फोन उपयोग करने वालों की संख्या मे महत्वपूर्ण रूप से बढ़ोत्तरी हुई है, टीवी के उपयोग मे 20 मार्च को समाप्त हुये सप्ताह मे पूरे भारत मे 8% की वृद्धि हुई है साथ ही स्मार्ट फोन के उपयोग में भी वृद्धि हुई है। lockdown के समय में स्मार्ट फोन पर व्यतीत किए जाने वाले समय मे 1.5 घंटे की वृद्धि हुई है इसका मतलब है कि एक उपयोग कर्ता के स्मार्ट फोन उपयोग करने के समय मे 6.5% की वृद्धि हुई है जिसमें से अधिकांश उपयोगकर्ता 35–44 आयु वर्ष के हैं, मिनी मेट्रो सेंटरो पर नए स्मार्ट फोन उपयोगकर्ता 8% की दर से बढ़ रहे हैं जबकि अन्य जगह 6% की दर से बढ़ रहे हैं। इस समय जब अधिकांश लोग बैंक जाने से बच रहे हैं वंहा लोगों से सोशल मीडिया पर आसानी से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है और अधिकांश भारतीय बैंक फेसबुक, ट्विटर, यू ट्यूब, इन्स्टाग्राम, स्नेप चैट जैसी सोशल मीडिया साईट पर अपनी उपस्थिति दर्ज़ करा चुके हैं इस तरह की मार्केटिंग से बैंक की विज़िबिलिटी पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है ।

बैंक जहाँ पूर्व में ग्राहकों की आवश्कताओं को जानने के लिए बहुत अधिक धन सर्वे, फोकस ग्रूप्स आदि में खर्च करते थे वहीं आज सोशल मीडिया ने इसे बदल दिया है, आज सोशल मीडिया की मदद से बैंक अपने ग्राहकों से अधिक नज़दीकी बना रहे हैं और इन्हीं की मदद से उत्पादों और सेवाओ में कॉस्ट इफ़ेक्टिव ढंग से सुधार कर रहे हैं।

सोशल मीडिया के द्वारा बैंक ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं सोशल माडिया बैंक्स और ग्राहकों के बीच नयी सम्भावनाओं की शुरुवात कर रहा है, बैंक सोशल मीडिया के द्वारा ग्राहकों की व्यक्तिगत खर्च पैटर्न, पसंद और जीवन के महत्वपूर्ण घटनाओ के बारे में अंतर्द्रष्टि (इन साइट) प्राप्त कर रहे हैं, जिसके द्वारा बैंक ग्राहकों के लिए ऐसे उत्पादों और सेवाएं निर्माण कर रहे हैं जो ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के साथ–साथ ग्राहकों के जीवन में इन उत्पादों और सेवाओ का वास्तविक मूल्य जोड़ें ।

उदहारण के रूप में कोई ग्राहक शादी करता है और इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करता है तो बैंक उस समय ग्राहक को वे उत्पाद ऑफर कर सकता है जिसमें उसकी रूचि हो जैसे कार लोन, होउसिंग मॉर्गेज, या परिवार स्वास्थ्य बीमा।

सोशल मीडिया मार्केटिंग के द्वारा बैंक व्यापक ग्राहकों से कहीं भी, कभी भी, भौगोलिक सीमाओं के प्रतिबंध के बिना संपर्क कर सकते हैं, आज जहाँ सरकार द्वारा सामाजिक दूरी के निर्देश और इन्फ़ैकशन के डर से लोग अपनी वित्त और निवेश सम्बन्धी आवश्कताओं के लिए बैंक जाना कम ही पसंद नहीं करेंगे वहाँ वे अपना धन घर से, ऑफिस से या

अन्य किसी स्थान से मैनेज करना पसंद करेंगे। बैंक ऐसे में ग्राहकों के लिए सोशल मीडिया के द्वारा प्रत्येक संभावित सम्पर्क स्थलों (टच पॉइंट्स) पर उपलव्ध करवा सकते हैं और ग्राहकों को सेवाएं उपलब्ध करवा सकते हैं इसके साथ ही साथ क्रॉस सेलिंग भी कर सकते हैं और ग्राहकों से गहरे रिश्ते कायम कर सकते हैं।

अधिकांश बैंक्स द्वारा सोशल मीडिया को ग्राहक सहायता केंद्र (कस्टमर सपोर्ट सेंटर) के रूप में भी उपयोग किया जा रहा है इससे ग्राहकों को न केवल बेहतर सपोर्ट सिस्टम मिल रहा है बल्कि ऑन टाइम रेसपोंस मिलने से कस्टमर संतुष्टि लेवल भी बढ़ता है जिसके कारण बैंक, ग्राहकों से मजबूत रिलेशनशिप का निर्माण कर रहे हैं।

यद्यपि युवा वर्ग डिजिटल और सोशल मीडिया की तरफ़ तेजी से बढ़ रहा है पर पारम्परिक ग्राहक आज भी बैंक की शाखा में जा कर सेवाएं लेना पसंद करते हैं covid-19 महामारी ने उनकी सोच में भी धीरे-धीरे बदलाव किया है।

सोशल मीडिया मार्केटिंग के लाभदायक प्रभावों के अतिरिक्त कुछ नकारात्मक पक्ष भी है, क्योंकि सोशल मीडिया के द्वारा एक बहुत बड़ी संख्या में ग्राहकों से जुड़ा रहता है, इसलिए बैंकों को अपनी सूचनाओं को सुरक्षित रखना चाहिए साथ ही साथ ग्राहकों द्वारा किये गये कमेंट्स पर भी सूक्ष्म दृष्टि रखनी चाहिए, इन्टरनेट के वायरल नेचर कारण नकारात्मक सूचनाएँ बहुत जल्दी फैलती हैं, जो संस्था (बैंक) की छवि ख़राब कर देती है, इसके साथ ही संस्था (बैंक) में कार्यरत कर्मचारी को भी सोशल साइट्स पर सूचना साझा करने से पहले बहुत ही ध्यान रखना चाहिए क्योंकि ये सूचनाएँ एक तो प्रतिद्वंदी बैंकों को लाभ दे सकती हैं और दूसरा खुद की बैंक की नकारात्मक रूप से मार्केटिंग करता है। इसलिए अगर इन बातों का थोड़ा ध्यान रखा जाए तो बैंकिंग क्षेत्र पर सोशल मीडिया मार्केटिंग का अच्छा और सकारात्मक प्रभाव हम देख सकते हैं।

ललित पाराशर
अधिकारी विपणन
क्षेत्रीय कार्यालय भरतपुर

हम समंदर वाले हैं

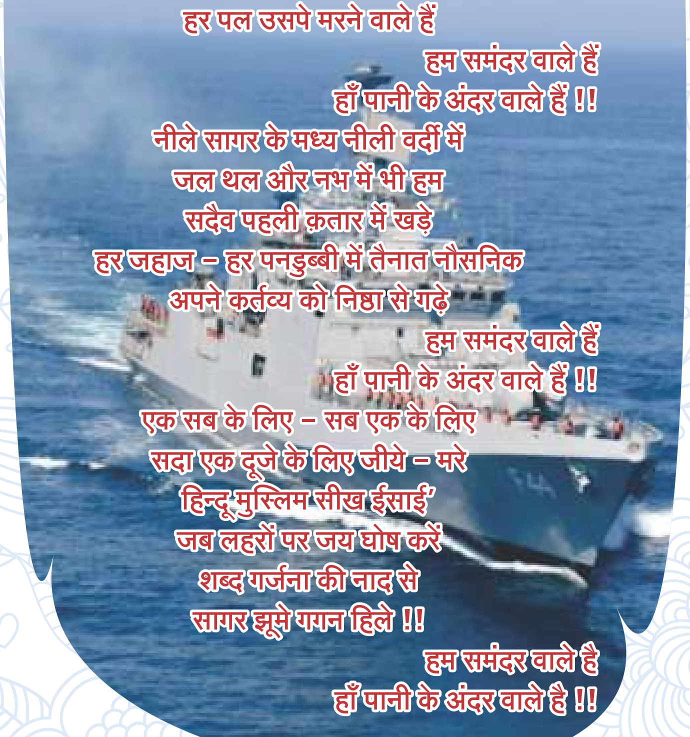

हम समंदर वाले हैं
हाँ पानी के अंदर वाले हैं
कभी उलझना ना हमसे ओ ! दुश्मन
देश की सीमाओं के हम
अंदर वाले रखवाले हैं
गर कर दी गलती तूने !
तेरे खून को हम पानी पानी करने वाले हैं !!
हम समंदर वाले हैं
हाँ पानी के अंदर वाले हैं !!
हर ऊंची नीची लहरों के साथ
हम हर पल गोता लगाने वाले हैं
लहरे पाले जिसको हरदम
वो कहाँ किसी से डरने वाले हैं
चाहे सागर शांत हो या हो विभोर
हर पल उसपे मरने वाले हैं
हम समंदर वाले हैं
हाँ पानी के अंदर वाले हैं !!
नीले सागर के मध्य नीली वर्दी में
जल थल और नभ में भी हम
सदैव पहली क़तार में खड़े
हर जहाज – हर पनडुब्बी में तैनात नौसनिक
अपने कर्तव्य को निष्ठा से गढ़े
हम समंदर वाले हैं
हाँ पानी के अंदर वाले हैं !!
एक सब के लिए – सब एक के लिए
सदा एक दूजे के लिए जीये – मरे
हिन्दू मुस्लिम सीख ईसाई
जब लहरों पर जय घोष करें
शब्द गर्जना की नाद से
सागर झूमे गगन हिले !!
हम समंदर वाले है
हाँ पानी के अंदर वाले है !!

दिलीप शर्मा
व्यवसाय सहायक
डूंगरपुर शाखा, बांसवाड़ा क्षेत्र

मज़बूत और सुरक्षित साइबर प्रणाली:अपरिहार्य आवश्यकता

सरकारी स्तर पर भले ही आज डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों की बदौलत इंटरनेट की तथा इससे जुड़े लाभों की चर्चा ज़्यादा हो रही हो, किंतु भारत जैसे देश में बड़ी आबादी दशक भर से भी अधिक समय से इस प्रणाली को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाए हुए हैं। बात चाहे ई–मेल के माध्यम से संदेश आदान–प्रदान करने की हो या अपने बिलों के भुगतान की, ऑनलाइन खरीदारी की हो या नौकरियों के लिये आवेदन की, बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाने की हो अथवा रेलवे या हवाई जहाज़ों के टिकट बुक करने की, सब चीजों में इंटरनेट का इस्तेमाल भारत में लंबे अरसे से हो रहा है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया व स्मार्ट फोन (विशेषकर कम कीमत वाले) के आने ने इस क्षेत्र में एक किस्म का समाजवाद सा ला दिया है तथा यह सुविधा आम लोगों तक भी पैठ बनाने में सफल रही है।

कहना मुश्किल है कि यदि मात्र एक दिन के लिये भी फेसबुक अथवा व्हाट्सएप की सुविधा बंद कर दी जाए तो अधिक समस्या किस आयु वर्ग के लोगों को पेश आएगी, क्योंकि लगभग सभी आयुवर्ग के लोग सरलता और कुशलता से इसका ख़ासा इस्तेमाल कर रहे हैं। अब चूँकि आमजन के सरोकार तथा निर्भरता इस प्रणाली पर संवेदनशीलता के स्तर तक बढ़ गई है, इसका मज़बूत और सुरक्षित होना भी उसी हद तक ज़रूरी हो गया है। आज एक ऐसा समय आ गया है जब साइबर प्रणाली में कुछ देर की गड़बड़ी भी अरबों–खरबों के नुकसान और अनेक अन्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।

अपने आरंभिक दौर में विलासित लगने वाली कोई चीज़ एक अरसे के बाद किसी भी अन्य सामान्य ज़रूरत की भाँति हमारे जीवन की आवश्यकता बन जाती है। ऐसा ही इंटरनेट और अन्य साइबर सुविधाओं के साथ भी है। हालाँकि भारत इस मामले में कुछ हद तक अभी भी संक्रमण काल से गुज़र रहा है, क्योंकि हमारे यहाँ अनेक सुविधाओं का कुछ प्रतिशत भाग ही डिजिटल हो पाया है तथा एक बड़ा तबक़ा आज भी उन कार्यों को करने के लिये परंपरागत (अर्थात् ऑफलाइन) तरीकों का ही इस्तेमाल करता है। इसका एक कारण यह है कि एक बड़े तबक़े तक कंप्यूटर अथवा इंटरनेट तो छोड़िये, बिजली जैसी आधारभूत चीज़ भी हम अब तक नहीं पहुँचा पाए हैं। ख़ैर, आज नहीं तो कल ऐसा कर देंगे तथा तब यह और भी ज़्यादा आवश्यक हो जाएगा कि हमारी साइबर प्रणाली मज़बूत होने के साथ–साथ सुरक्षित भी हो।

कोई चीज़ हमारे लिये महत्त्वपूर्ण बन चुकी है, यह जानने के लिये ज़रूरी है कि एक बार उसके बिना जीवन की एक कच्ची सी कल्पना की जाए। ऐसी ही एक कल्पना यहाँ प्रस्तुत है:–

यदि हमारी साइबर प्रणाली किसी वजह से काम करना बंद कर दे तो–

* **हमारी बैंकिंग व्यवस्था चरमरा जाएगी।**
* **हमारा शेयर बाज़ार पूरी तरह ठप हो जाएगा।**
* **हमारी संचार व्यवस्था (मोबाइल, टेलीफोन), प्रसारण व्यवस्था (रेडियो, टीवी, सिनेमा) काम करना बंद कर देगी।**

नौवहन प्रणाली के बिना हमारा रेल, वायु यातायात आदि संचालित नहीं हो पाएगा। कंपनियों द्वारा ऑनलाइन ट्रेडिंग संभव नहीं होगी।

इस पर निर्भर अनुसंधान के हमारे कार्य (विशेषकर अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़े) रुक जाएंगे। उपरोक्त बिंदुओं से साइबर प्रणाली के दुरूस्त रहने के महत्त्व का एक सामान्य अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। हालाँकि ये अनुमान साइबर प्रणाली के कार्य करना बंद कर देने से संबंधित थे, जबकि इसका एक अन्य पहलू है– किसी खराबी या अन्य गड़बड़ी के चलते इसका गलत ढंग से कार्य करने लगना, ऐसा होने पर परिणाम कितने भयानक हो सकते हैं इसका तो अनुमान भी कल्पना से परे लगता है।

साइबर प्रणाली में गड़बड़ी किसी तकनीकी खराबी का परिणाम भी हो सकती है तथा किसी बाहरी हस्तक्षेप का भी, जिसे कंप्यूटर की भाषा में साइबर हमला कहा जाता है।

अपने समय के प्रमुख रक्षा चिंतकों, जैसे मैकियावेली, ए.टी. माहन तथा डुहेट आदि ने क्रमशः थल, जल तथा गगन से होने वाले आक्रमणों से निपटने की रणनीतियाँ तो गढ़ीं, किंतु इस आभासी संसार में होने वाले युद्ध की तो उन्होंने अपने समय में कल्पना भी नहीं की होगी।

एक नियोजित तरीके से अंजाम दिया गया साइबर हमला बिना आवाज़ किये शत्रु को पस्त करने की ताकत रखता है। इस तरीके से अपनी लेशमात्र की जनहानि के बिना हम शत्रु का एक बड़ा नुकसान करके हींग लगे न फिटकरी, रंग चोखा वाली कहावत को चरितार्थ कर सकते हैं।

ईरान के यूरेनियम संवर्द्धन तथा परमाणु कार्यक्रम से जुड़े 5 संगठनों पर वर्ष 2010 (या उससे कुछ पहले) में **'स्टक्सनेट'** वायरस से किये हमले का उदाहरण यहाँ लिया जा सकता है जिसने ईरान के सेंट्रीफ्यूज़ को नियंत्रण से बाहर कर उसके परमाणु कार्यक्रम को वर्षों पीछे धकेल दिया था। यहाँ शत्रु देश (संभवतः इज़राइल अथवा संयुक्त राज्य अमेरिका) को न तो कोई सेना भेजनी पड़ी और न ही कोई बम गिराना पड़ा। इसी प्रकार डुकु नामक वायरस को ईरान के परमाणु कार्यक्रम की रूपरेखा की नकल करने के लिये बनाया गया था।

हालिया दिनों में **'वानाक्राई'** नामक मालवेयर का हमला काफ़ी चर्चित रहा जो आपके कंप्यूटर की ज़रूरी सूचनाओं को एन्क्रिप्ट कर देता था तथा वापस उन तक पहुँच बनाने के बदले आपसे फिरौती मांगता था (जिसके चलते इसे **'रैनसमवेयर'** की श्रेणी में रखा गया)। इस तरह का साइबर हमला व्यापक स्तर पर हानि पहुँचाने की क्षमता रखता है।

ये हमले यदि केवल आर्थिक हानि पहुँचाते हों तो एक दफा इन्हें सहन भी किया जा सकता है, किंतु आजकल साइबर जासूसी की अवधारणा ने लोगों की निजता और देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा तक को खतरे में डाल दिया है। वर्ष 2006 से जारी ऑपरेशन शेडी रैट तथा भारत को लक्षित किया गया। वर्ष 2009 में पकड़ में आया **'घोस्टनेट'** का हमला जिसने भारतीय सुरक्षा अभिकरणों की सूचनाओं तक पहुँच बना ली थी आदि इस श्रेणी में आते हैं।

साइबर संसार की चुनौतियों में एक और चुनौती सोशल मीडिया साइटों के आने के बाद से पैदा हुई है, वह है झूठी अथवा तेज़ी से माहौल बिगाड़ने में सक्षम संवेदनशील खबरों का शीघ्रता से प्रसार। कितनी ही बार सोशल मीडिया पर वायरल हुई इन संवेदनशील खबरों के चलते देश का सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने का खतरा पैदा हो चुका है। 2012 में ऐसी ही कुछ खबरों के चलते बंगलूरू में रह रहे पूर्वोत्तर भारत के लोगों का बड़ी संख्या में वहाँ से पलायन हुआ था।

अब बात करते हैं इन चुनौतियों से निपटने की जिसके लिये हमें साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की ज़रूरत होगी। यहाँ भी हालात कुछ संतोषजनक दिखाई नहीं देते। विश्व में भले ही भारत को एक आईटी सुपरपावर के तौर पर देखा जाता हो किन्तु वर्ष 2013 में राष्ट्रीय समाचार-पत्र में छपी एक खबर के मुताबिक भारत के पास कुल मिलाकर मात्र 556 साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ हैं जबकि हमें ऐसे लाखों विशेषज्ञों की आवश्यकता है।

हमें समझना होगा कि जिस प्रकार हम अपने रक्षा बजट में किसी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ते, उसी प्रकार सुरक्षा के लिहाज़ से इसे भी एक ऐसा मोर्चा मानना होगा जिसे अनदेखा छोड़ने के परिणाम घातक हो सकते हैं।

इस मोर्चे पर वीरता के स्थान पर तकनीक की समझ हमें बचाएगी और हमें इस तकनीकी समझ वाले लोगों की एक फौज उसी से तरह तैयार करने की ज़रूरत है जैसे चीन, अमेरिका अथवा रूस जैसे देशों ने तैयार की है, तभी हम चहुँओर से अपने सुरक्षित होने का दावा कर सकेंगे। हालाँकि ऐसा भी नहीं है कि भारत ने इस चुनौती को पूर्णतया अनदेखा छोड़ दिया हो। वर्ष 2004 में ही हमने साइबर सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिये इंडियन कंप्यूटर एमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (जिसे प्रचलित रूप से आईआरटी-इन के नाम से जाना जाता है) नाम के एक समर्पित अभिकरण का गठन कर लिया था जो समय-समय पर साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न उपायों को लागू करता रहता है। ऐसी ही एक पहल इस संस्था ने इस साल फरवरी में **'साइबर स्वच्छता केंद्र'** की शुरुआत करके की। **'साइबर स्वच्छता केंद्र'** का कार्य डेस्कटॉप और मोबाइल के लिये सिक्योरिटी सॉल्यूशन प्रदान करना है। इस संस्था व अन्य अभिकरणों के संयुक्त प्रयासों का ही फल था कि हाल में हुए **'वनाक्राई'** नामक मालवेयर के हमले का भारत पर ज़्यादा असर नहीं हुआ। इसके अलावा, एक श्रेणी एथिकल हैकर्स की भी है जो अपने तकनीकी ज्ञान व प्रतिभा का इस्तेमाल ऐसे हमलों को नाकाम करने में करते हैं। हालाँकि, ऐसे एथिकल हैकर्स की पहचान करना मुश्किल है किंतु भारत में इनकी एक मज़बूत उपस्थिति अवश्य है। अन्य सजग देशों की भाँति भारत को भी संभावित साइबर हमलों व इनसे जुड़ी अन्य गड़बड़ियों से निपटने के लिये और अधिक संस्थागत प्रयासों की ज़रूरत है तभी हम भरोसे के साथ डिजिटलीकरण के लाभों को व्यापक जनसमूह तक पहुँचा पाएंगे।

विमल चंद जैन
सहायक महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख
सवाई माधोपुर क्षेत्र

बदलते परिवेश की बैंकिंग– चुनौतियाँ एवं समाधान

बैंकिंग क्या है ?

पुराने समय में व्यापार वस्तुओं जैसे अनाज, पालतू पशु आदि के आदान–प्रदान से किया जाता था, जैसे–जैसे समाज की प्रगति होती गयी वैस–वैसे समाज को एक व्यवस्था विकसित करने की ज़रूरत महसूस होने लगी फिर राजाओं ने धातुओं जैसे सोना, चाँदी आदि के सिक्के ढालना शुरू किए, धातुओं के सिक्कों के माध्यम से व्यापार होने लगा। लेकिन हमें एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत पड़ने लगी जो पूरे विश्व में मान्यता प्राप्त हो। बैंकिंग एक अंग्रेजी शब्द है, बैंकिंग में बैंक का अर्थ होता है विश्वास–जैसे एक दूसरे पर भरोसा करना, व्यापार करने के लिए भरोसा चाहिए वैसे ही बैंकिंग के लिए भी आम आदमी को भरोसा चाहिए और बैंक उन उम्मीदों पर खरा उतरता है, हमें एक ऐसा सिस्टम चाहिए था जो पूरे विश्व में मान्यता प्राप्त हो, कहीं भी निवास करते हुए, कहीं भी विचरण के लिए गए हो आपकी पूंजी अगर साथ है तो वह आपके उपयोग में आ सके। उसके बाद केंद्रीय बैंकों के माध्यम से विश्व भर में अलग–अलग देशों ने अपनी स्वयं की मुद्रा चलाई और जो शक्तिशाली देश थे, उन्होंने अपनी मुद्रा को विश्व में मान्यता दिलवाई कि उनके देशों की मुद्राओं से ही अन्तराष्ट्रीय लेनदेन किया जाएं, सभी देशों ने उन मुद्राओं को अंतरराष्ट्रीय लेन देन हेतु स्वीकृति प्रदान की।

देश में आधुनिक बैंकिंग

बैंक किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते है। देश में बैंकिंग व्यवस्था की शुरुआत को इतिहासकार लगभग 18वीं शताब्दी से ही मानते हैं। इसके बारे में कहा जाता है कि अंग्रेजों ने आधुनिक बैंकिंग को लाकर भारत की अर्थव्यवस्था में क्रांति कर दी थी। अंग्रेजों ने सुनियोजित तरीके से धन की उगाही के लिए तीनों प्रेसिडेंसियों मद्रास, मुंबई और बंगाल में बैंकों की स्थापना की। ईस्ट इंडिया कंपनी ने बैंक ऑफ बंगाल सन 1806, बैंक ऑफ़ मुंबई सन 1840, बैंक ऑफ़ मद्रास सन 1843 स्थापना कर की थी।

1926 में हिल्टन यंग कमीशन ने इस बात का सुझाव दिया था कि इंपीरियल बैंक के साथ एक अलग केंद्रीय बैंक की स्थापना की जानी चाहिए जो विदेशी विनिमय में कोष प्रबंधन के साथ–साथ नोट भी जारी कर सके।

देश में केंद्रीय बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना 1935 में भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 के तहत की गई एवं भारतीय रिज़र्व बैंक का 1 जनवरी 1949 को राष्ट्रीयकरण कर देश को समर्पित किया गया। भारत की स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1955 को इंपीरियल बैंक तीनों बैंक, बैंक ऑफ़ बंगाल, बैंक ऑफ़ मुंबई एवं बैंक ऑफ़ मद्रास की सभी संपत्तियां अधिग्रहण करके 1 जुलाई 1955 को इंपीरियल बैंक का नाम बदलकर भारतीय स्टेट बैंक कर दिया गया। अपने स्थापना काल में भारतीय स्टेट बैंक के कुल 480 कार्यालय थे जबकि आज लगभग 24000 से ज्यादा शाखाओं के साथ भारतीय स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा बैंक है। इस तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया देश को समर्पित कर दिया गया।

आजादी के बाद बैंकिंग में बदलाव

आज़ादी से पहले एवं आज़ादी के बाद के दो दशक तक बैंकिंग सिर्फ़ ऊंचे लोगों के लिए मानी जाती थी क्योंकि अधिक ब्याज पर पैसा दिया जाता था जो चुका पाना एक आम आदमी के बस का नहीं होता था। इसके समाधान हेतु बैंको का राष्ट्रीयकरण किया गया। देश को 1962 में चीन के साथ एवं 1965 पाकिस्तान के साथ युद्ध करना पड़ा था फिर भी सरकार ने संसाधन जुटाकर देश में 19 जुलाई 1969 को देश के 14 प्रमुख बैंकों का एवं 1980 को छः बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर देश की सेवा में 20 बैंक स्थापित कर समर्पित किये।

राष्ट्रीयकरण के बाद बैंकिंग क्षेत्र का व्यापक विस्तार हुआ है, 1947 में कुल 664 निजी बैंकों की लगभग 5000 शाखाएं कार्यरत थीं जबकि आज 12 सार्वजनिक क्षेत्र, 22 निजी बैंक, 11 स्मॉल फाइनेंस बैंक, 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की लगभग 142000 शाखाएं हैं।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया देश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा व्यापारिक बैंक है, इससे राष्ट्रीय कृत बैंक की श्रेणी में नहीं रखा जाता है राष्ट्रीय कृत बैंक में उन बैंकों को रखा जाता है जो 1969 के राष्ट्रीयकरण और उसके बाद सरकार के अधीन आए हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हेतु कृषकों को सस्ती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए वैकुंठ लाल मेहता समिति-1960 के अनुसार सरकारी बैंकों की स्थापना की गई। आज देश में लगभग में 1482 सहकारी बैंक, 58 मल्टी स्टेट सहकारी बैंक कार्यरत है। 2 अक्टूबर 1975 को सरकार ने बैंकिंग सेवाएं दूरस्थ गांव गांव तक पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की। देश भर में आज 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की लगभग 22000 शाखाएं ग्राम वासियों को बैंक की सुविधा प्रदान कर ग्रामीणों का जीवन यापन बेहतर करने का कार्य कर ग्रामीणों को मजबूत बना रही हैं।

बैंकिंग क्षेत्र में चुनौतियां एवं समाधान

बैंकिंग में सुधार करने के लिए सरकार ने 1991 में एम. नरसिम्हम की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में चार स्तरीय ढांचे की व्यवस्था की जाए जिसमें तीन चार बड़े बैंक होंगे एसबीआई इसमें शामिल होगा और इसे सर्वोच्च स्थान प्राप्त होगा तथा यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना कार्य कर सकेगा। समिति ने कहा बेसल समिति द्वारा सुझाव उपाय को धीरे-धीरे प्राप्त करने की जरूरत है।

बैंकिंग क्षेत्र में सुधार के लिए दूसरी बार एम. नरसिम्हम की अध्यक्षता में ही एक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में पूंजी खाते में परिवर्तन्यिता को ध्यान में रखते हुए बैंकिंग प्रणाली को और अधिक मज़बूत करने पर जोर दिया। इस समिति ने बड़े बैंकों को मिलाने पर बल दिया और कहा कि जहां पर कुछ अंतरराष्ट्रीय

कुछ राष्ट्रीय स्तर के बैंक हो वहां पर छोटे स्थानीय बैंकों खोलने पर भी बल दिया जाए। जिससे किसी राज्य की स्थानीय व्यापार उद्योग तथा कृषि को बढ़ावा मिल सके।

बेसल 3 मानक

बैंकों में सुधार के लिए बेसल तीन मानक को लाया गया बेसेल 3 बैंकिंग प्रणाली के उन पक्षों को सुधारने का प्रयास करता है जिससे कारण पूरे विश्व को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ा था। इस तरह की समस्या का समाधान फिर से ना करना पड़े उसके लिए बैंकिंग व्यवस्था को कुछ इस प्रकार नियंत्रित करना होगा इससे न केवल बैंकों की पूंजी में गुणात्मक सुधार हो बल्कि बैंकों की हानि सहने की क्षमता में भी बढ़ोतरी हो।

बैंकिंग का कंप्यूटरीकरण

धीरे-धीरे देश के विकास को नए आयाम लग रहे थे, वैसे वैसे लोगों की सोच भी बदल रही थी। देश का आर्थिक विकास जितनी तेजी से बढ़ रहा था वैसे ही लोगों की अपेक्षा भी बढ़ रही थी, सभी मनुष्य को अपना काम तेज गति से चाहिए था। समय की मांग को देखते हुए वर्ष 1993 में बैंकों में कंप्यूटर द्वारा कार्य करने में सहमति बनी एवं आज प्रत्येक बैंक में कंप्यूटर द्वारा बैंकिंग कार्य संपन्न होने लगा। आज कंप्यूटर के बिना बैंकिंग संभव नहीं है। बैंकों ने भी कंप्यूटर को अपनाया और स्वचालित मशीनों जैसे एटीएम मशीन, पैसे जमा कराने की स्वचालित मशीनों का उपयोग बढ़ाया। आज ग्राहक खुद ही के हाथों से

बैंकिंग करने लगा है, ग्राहकों का काम तेज गति से होने लगा। आज बैंकिंग उद्योग का सिद्धांत कभी भी कही भी बैंकिंग का हो गया है।

उस समय कर्मचारियों को डर था कि अगर कंप्यूटर आ जाएंगे तो उनकी नौकरी पर खतरा होगा लेकिन बैंकिंग का विस्तार व्यापक रूप से हुआ वह डर भी व्यर्थ निकला, कंप्यूटर से तो बैंकिंग का विस्तार दूर गांव तक हुआ, स्कूल के बच्चों के भी अकाउंट खोले जाने लगे। व्यापक विस्तार से बैंकिंग में ज्यादा नौकरियां पैदा हुई।

भारतीय बैंकिंग अधिनियम धारा 5 (ब)– बैंकिंग से तात्पर्य ऋण देने अथवा विनियोग के लिए जनता से धन जमा करना है जो कि माँग करने पर लौटाया जा सकता है तथा चैक, ड्राफ्ट तथा अन्य प्रकार द्वारा निकाला जा सकता है। बैंक की कमाई का मुख्य जरिया ब्याज हुआ करता था लेकिन आज बदलते परिदृश्य ने बैंकिंग उद्योग को आय के दूसरे स्त्रोत तलाशने को मजबूर किया है, बैंको के माध्यम से अब बीमा भी बेचा जाने लगा है जिसे अंग्रेजी के शब्द **BANCASSURANCE** नाम दिया गया, इस से आम जनता को भी बीमा से सुरक्षा कवच मिला और बैंकों को भी कमीशन से आय में वृद्धि हुई है ।

सरकार द्वारा भी वित्तीय समावेशन पर बराबर ध्यान केंद्रित रखा जा रहा है, जिससे हर एक आदमी बैंक से जुड़ा हो उसका फायदा भी बैंकों को मिला। इसमें सबसे बड़ी क्रांति मोदी सरकार के कार्यकाल में प्रथम वर्ष में आई जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में इस योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत जो भी आदमी छूट गया था खाता खुलवाने से वह भी बैंक से जुड़ गया। इसमें बैंकिंग मित्र का बहुत बड़ा योगदान रहा है उनकी विशेष भूमिका रही है इस योजना के तहत उन्हें रोजगार भी मिला और वे आत्मनिर्भर भी बने। हर ग्राम पंचायत में एक बैंक का प्रतिनिधि बैठने लगा जिससे लगभग हर गांव में बैंक की पहुंच हुई है।

आज के समय में बैंकिंग व्यवहार और उपभोक्ताओं की जरूरतों में परिवर्तन जिस तरीके से हो रहे हैं, वैसी स्थिति में बैंकों का भविष्य भी संकट के घेरे में है । अब तो यह भी माना जा रहा है कि परम्परागत बैंकिंग का दौर ख़त्म हो चुका है और कैश लेस बैंकिंग की अवधारणा मजबूत हुई है । इसी संबंध में एक महान व्यक्ति ने कहा था कि बैंकिंग तो ज़रुरी है, लेकिन बैंक नहीं । मोबाइल बैंकिंग के आने से ग्राहकों और बैंक के बीच संवाद के तरीके में बहुत बदलाव आ गया है । मोबाइल बैंकिंग से घर से दूर रह कर भी अपने बैंक के ख़ातो की जानकारी भी ली जा सकती है । किसी भी समय पैसे ट्रान्सफर करना, बिलों का भुगतान इत्यादि किया जा सकता है । कैशलेस अर्थव्यवस्था ने बैंकिंग स्वरूप में और बड़ा परिवर्तन किया है, इससे एक ओर जहाँ लोगों को लम्बी कतारों से मुक्ति मिली है, वहीं समय की बचत भी हुई है, तु कालेधन को रोकने में बहुत हद तक मदद भी मिली है । इसके कारण अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता आयी है । कैशलेस व्यवस्था आने के कारण रुपया लोगो के पास से तो हटा, किन्तु उसका स्थान प्लास्टिक मुद्रा ने ले लिया है।

निष्कर्ष

वैश्वीकरण के दौर में बैंकों का स्वरूप लगातार बदल रहा है । पहले जहा बैंकों में लम्बी–लम्बी कतारें लगी रहती थी, वहीं अब तकनीक ने इस कार्य को सरल और सुगम बना दिया है । जन धन योजना और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर जैसी योजनाओं के माध्यम से बैंकिंग के जरिये वित्तीय समावेशन पर सरकार बहुत जोर दे रही है । ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की पहुँच न होना एक चिंता का विषय है, क्योंकि दुर्गम और कठिन क्षेत्र होने के कारण कई क्षेत्रों में अभी भी बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध नही हैं, बैंकों द्वारा बड़ी संख्या में बैंकिंग प्रतिनिधि की नियुक्ति कर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास किया है । आधुनिक बैंकिंग में विशेषकर कैशलेस अर्थव्यवस्था बैंकिंग लेनदेन के डिजिटलीकरण के दौर में चिंता का विषय जरुर है, परन्तु सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने आईआईटी जैसे संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न तरीकों से निपटने के प्रयास किये हैं। कुल मिलाकर, भारत का आज का बैंकिंग स्वरुप बदलते परिवेश में नए कलेवर अपना रहा है। ऐसे में जरुरत इस बात की है कि यह कलेवर भारतीय जनता के सामाजिक आर्थिक विकास को बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभाए।

सुनील मालव
अधिकारी
अग्रणी बैंक कार्यालय, बूंदी

लोक कथाओं के जादूगर : बिज्जी

राजस्थानी कथा साहित्य का इतिहास पद्मश्री विजयदान देथा के ज़िक्र के बिना बिल्कुल अधूरा है। श्री विजयदान देथा, जिन्हें प्यार से बिज्जी भी बुलाया जाता था, ने राजस्थान की लोक कथाओं और कहावतों के संकलन और पुनर्लेखन में अभूतपूर्व योगदान दिया है। बिज्जी को उनके योगदान के लिए **'राजस्थान का शेक्सपियर'** भी कहा जाता है।

प्रारम्भिक जीवन

विजयदान देथा का जन्म राजस्थान में जोधपुर शहर के पास बोरुंदा गाँव में, 01 सितंबर 1926 को हुआ था। उनके पिता श्री सबलदान देथा और दादा श्री जुगतिदान देथा भी राजस्थानी के प्रसिद्ध कवि थे। चार वर्ष की छोटी आयु में उन्होने अपने पिता को खो दिया था जिसके बाद वे अपने बड़े भाई के साथ जैतारण चले गए। शिक्षा पूरी होने के बाद वे पुनः अपने पैतृक गाँव लौट आए।

बिज्जी का व्यक्तित्व

बिज्जी बेहद सरल, सहज और बच्चों से निश्छल व्यक्तित्व के मालिक थे।

✻ जड़ों से जुड़ाव....

शिक्षा पूरी करते ही राजस्थानी भाषा की सेवा के निश्चय के साथ बिज्जी अपने पैतृक गाँव लौट आए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त होने और देश-विदेश की अनेक यात्राएं करने के बाद भी शहरों की चकाचौंध कभी उन्हें अपनी ओर नहीं खींच पाई। उन्होने आजीवन अपने गाँव में रहकर ही सादा जीवन जीते हुए लेखन कार्य किया।

✻ मातृभाषा से प्रेम.....

देथा जी ने बहुत कम उम्र में ही यह संकल्प कर लिया था कि वे अपनी मातृभाषा राजस्थानी में ही लिखेंगे। जिस समय उन्होने राजस्थानी में लेखन की शुरुआत की, उस समय वह केवल लोगों के ज़ुबान पर ही थी-ना तो उसे पढ़ने का अभ्यास था और ना ही उसके पाठक थे। ऐसे में मातृभाषा के प्रति उनके अटूट प्रेम ने ही उन्हें इस कठिन मार्ग पर चलने का साहस दिया।

✻ पुस्तकों से असीम प्यार....

वृद्धावस्था के कारण जब बिज्जी लिख नहीं पाते थे तब भी उनका पढ़ना जारी रहा। अंतिम समय में कमजोरी के कारण पढ़ना भी छूट गया तब वे घंटों तक किताबों के अक्षरों पर अंगुलियाँ फिराते रहते थे।

प्रमुख कृतियाँ व कार्य

देथा जी ने लगभग 800 लघु कथाएँ लिखी हैं, जिनका हिन्दी सहित कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है।

✻ हिन्दी लेखन :

उन्होने कभी किसी अन्य भाषा में नहीं लिखा और उनका ज़्यादातर कार्य उनके पुत्र कैलाश कबीर ने हिन्दी में अनुवादित किया। उषा, 1946 (कविताएं); बापू के तीन हत्यारे, 1948 (आलोचना); ज्वाला साप्ताहिक में स्तम्भ 1949-1950; साहित्य और समाज, 1960 (निबंध); अनोखा पेड़, 1968 (बच्चों की कहानियाँ); फुलवारी, 1992 (कैलाश कबीर द्वारा अनूदित); चौधराइन की चतुराई, 1996 (लघु कथाएँ); अंतराल, 1997 (लघु कथाएँ), सपनप्रिया, 1997 (लघु कथाएँ); मेरो दर्द न जाणे कोय, 1997 (निबंध); अतिरिक्ता, 1997 (आलोचना); महामिलन, 1998 (उपन्यास); प्रिय मृणाल, 1998 (लघु कथाएँ)।

✻ राजस्थानी लेखन :

बाताँ री फुलवाड़ी (भाग 1 से 14), 1960-75 (लोक कथाएँ); प्रेरणा, 1953 (कोमल कोठारी द्वारा सह संपादित); सोरठा, 1956-1958; परंपरा (3 तीजे संपादित - लोक गीत, गोरा हट जा, जेठवा रे); राजस्थानी लोक गीत (6 भाग), 1958; टिडो राव, 1956 (राजस्थानी की पहली पॉकेट बुक); उलझन, 1984 (उपन्यास); अलेखूँ हिटलर, 1984 (लघु कथाएँ); रूंख, 1987; कब्बू रानी, 1989 (बच्चों के कहानियाँ)।

✻ हिन्दी कहावती कोश

बिज्जी के लेखन की विशेषताएँ-

बिज्जी का मानना था कि कलात्मक रचनाएँ व्यक्ति के चेतन नहीं बल्कि अवचेतन मस्तिष्क की उपज हैं। बिज्जी ने तीन रचनाकारों को प्रेरणा स्त्रोत माना है। इनमें सबसे पहले थे शरतचंद्र चट्टोपाध्याय जिनसे उन्होने संवाद लेखन की प्रेरणा ली। दूसरे थे एंटन चेखव जिनसे उन्होने अपने आस-पास की छोटी-छोटी चीजों और घटनाओं पर पर ध्यान देने की कला को अपनाया। अपने तीसरे प्रेरणास्त्रोत रवीन्द्र नाथ ठाकुर से उन्होने दृष्टांतों का उपयोग करना सीखा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
विजया VIJAYA
देना DENA

✻ **बीज में बरगद जैसी लोक कथाएँ.....**

देथा जी का मानना था कि जिस प्रकार एक छोटे से बीज में से विशाल बरगद का वृक्ष बनने की संभावना होती है, उतनी ही संभावना लोक कथा की होती है। लोक कथाओं को जितना खोलना चाहें या जितनी खोलने की क्षमता हो, उतना ही खुलती जाती हैं।

✻ **लोक कथाओं का अभिप्राय महत्वपूर्ण.....**

देथा जी ने सदियों से लोगों की जुबान पर चले आ रहे कथानक को लेकर आधुनिक समस्याओं को आज के पाठक के समक्ष रखने की कोशिश की है। उनका मानना था कि मौलिक कहानियाँ जो आधुनिकता को संप्रेषित नहीं कर सकती, वो उन्होने लोक कथाओं के माध्यम से किया है।

(आधुनिक भाषाई आंदोलन से दूर, बिज्जी ने, राजस्थान के गांवों–ढाणियों में भटककर, बड़े-बूढ़ों व महिलाओं से सदियों पुरानी लोक कथाओं को सुना, अपनी कल्पनाशीलता और भाषाई कौशल से इन लोक कथाओं को मौजूदा समाज और परिस्थितियों के साँचे में ढालकर आधुनिक प्रासंगिकता प्रदान की। उन्होने लोक कथाओं को केवल लिखा नहीं बल्कि उनका पुनर्लेखन किया है।)

✻ **मौखिक परंपरा को लिखित रूप देना...**

राजस्थानी साहित्य में बिज्जी का स्थान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होने सदियों से मौखिक रूप में चली आ रही लोक कथाओं को लिखित रूप देने का अभूतपूर्व प्रयास किया है। वे मानते थे कि लोक कथाएँ कही जाती हैं, लिखी नहीं जाती। कहने वाले के हाथ, मुद्राएँ, हाव–भाव, अंगुलियाँ और शरीर सभी बोलते हैं। इन हाव–भावों और मुद्राओं को कलम के माध्यम से रक्षित करना बड़ी बात है। उनके लिए केवल शब्दों ही नहीं, बल्कि मुद्राओं व हाव भावों को लेखन में सुनिश्चित रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

सिनेमा जगत में बिज्जी की कहानियाँ

बिज्जी की कहानियों ने सिनेमा और रंगमंच को भी अपनी ओर आकर्षित किया। उनकी कहानियों पर लगभग 24 से ज़्यादा फिल्में बन चुकी हैं, जिनमें प्रमुख हैं:

आधार कथा	आधारित चलचित्र / नाटक	वर्ष	निर्देशक
दुविधा	दुविधा (हिन्दी)	1973	मणि कौल
चरणदास चोर	चरणदास चोर (हिन्दी)	1974	श्याम बेनेगल
परिणति	परिणति (हिन्दी)	1986	प्रकाश झा
दुविधा	पहेली (हिन्दी)	2005	अमोल पालेकर
लाजवंती	लाजवंती (हिन्दी)	2014	पुष्पेंद्र सिंह
केंचुली	कांचली (हिन्दी - राजस्थानी)	2020	दैदीप्य जोशी
केंचुली	लैला और सत मीत (गोजरी)	2020	पुष्पेंद्र सिंह
चरणदास चोर	चरणदास चोर (नाटक)		हबीब तनवीर

सम्मान एवं पुरस्कार

1974 – साहित्य अकादमी पुरस्कार (राजस्थानी के लिए)
1992 – भारतीय भाषा परिषद पुरस्कार
1995 – मरुधरा पुरस्कार
2002 – बिहारी पुरस्कार
2006 – साहित्य चूड़ामणि पुरस्कार
2007– पद्म श्री
2011– मेहरानगढ़ म्यूज़ियम ट्रस्ट द्वारा राव सिंहा
2012– राजस्थान रत्न

इनके अतिरिक्त बिज्जी को वर्ष 2011 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए नामित भी किया गया।

साहित्य जगत में बिज्जी का स्थान

राजस्थानी भाषा को संविधान द्वारा मान्यता भी प्राप्त नहीं हुई, किन्तु फिर भी राजस्थानी में लेखन का चुनाव निश्चित ही एक साहसिक निश्चय था। भले ही देथा की कहानियाँ राजस्थानी परिदृश्य की हों, लेकिन जो सवाल और मुद्दे उनके द्वारा उठाए गए, उनका दायरा बहुत बड़ा है। अन्य भाषाओं में अनूदित होकर उनकी कहानियाँ प्रांतीय सीमाओं को तोड़ती हुई राजस्थान से बाहर निकलकर, साहित्य जगत की अनमोल धरोहर बन गईं। देथा की कहानी 'दुविधा' का बीसवीं सदी की कालजयी हिन्दी कहानियों में शामिल होना उनकी साहित्यिक कद को दर्शाता है। साहित्य जगत में उनके स्थान का अंदाज़ा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि देथा ऐसे दूसरे भारतीय थे, जिनका नाम रवीन्द्रनाथ टेगोर के बाद साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए नामित हुआ था।

दुनिया से विदा

10 नवंबर, 2013 को 87 वर्ष की उम्र में, बिज्जी इस दुनिया को अलविदा कह गए लेकिन अपनी रचनाओं के माध्यम से वो हमेशा हम सभी के बीच में रहेंगे।

नेहल भटनागर
बिजनेस असोसिएट
क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर

क्या आप जानते हैं ?

प्रश्न 1: टाइपराइटर कुंजीपटल कौन सी भारतीय भाषाओं के मैनुअल टाइपराइटर पर आधारित है ?

प्रश्न 2: गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग की ई -बुक का नाम क्या है ?

प्रश्न 3: राजभाषा अधिनियम 1963 कब पारित हुआ ?

प्रश्न 4: केंद्रीय हिन्दी समिति के अध्यक्ष कौन हैं ?

प्रश्न 5: भारत के प्रथम राष्ट्र कवि कौन हैं ?

प्रश्न 6: देश का पहला राष्ट्रीय हिन्दी संग्रहालय स्थापित किया जा रहा है ?

प्रश्न 7: संसदीय राजभाषा समिति का गठन कब हुआ था ?

प्रश्न 8: अंधेरे को चिराग दिखाना मुहावरे का अर्थ क्या होता है ?

प्रश्न 9: हिन्दी के प्रयोग के पनुरीक्षण के लिए संसदीय राजभाषा समिति की कुल कितनी उप समितियां बनाई गई ?

प्रश्न 10: संविधान की आठवीं अनुसूची में सिन्धी भाषा को किस वर्ष में जोड़ा गया ?

प्रश्न 11: राजभाषा नियम 1976 के किस नियम के तहत हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिया जाना आवश्यक है ?

प्रश्न 12: किस नियम में हिन्दी में प्रवीणता की परिभाषा दी गई है ?

प्रश्न 13: संविधान के मूल भाग में कितनी भाषाओं को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई थी ?

प्रश्न 14: मिजोरम, नागालैंड तथा मेघालय की राजभाषा कौन-सी है ?

प्रश्न 15: प्रथम राजभाषा आयोग का गठन कब किया गया ?

प्रश्न 16: राजभाषा नियम में कुल कितने नियम हैं ?

प्रश्न 17: राजभाषा आयोग के अध्यक्ष कौन थे ?

प्रश्न 18: अंग्रेजी भाषा की लिपि क्या है ?

प्रश्न 19: वर्तमान में भारतीय संविधान में कितनी राजभाषाएं वर्णित हैं ?

प्रश्न 20: 'डोगरी' भाषा भारत के किस राज्य क्षेत्र में बोली जाती है ?

प्रश्न 21: न्याय दर्शन के प्रतिपादक कौन हैं ?

प्रश्न 22: घना पक्षी अभ्यारण्य निम्न में से किस राज्य में स्थित है ?

प्रश्न 23: किस नियम में हिन्दी के कार्यसाधक ज्ञान की परिभाषा दी गई है ?

प्रश्न 24: मातृभाषा दिवस कब मनाया जाता है ?

प्रश्न 25 : मैला आँचल, परिकथा किसकी रचना है ?

प्रश्न 26: यत्तुथोगई क्या है ?

संकलन-
राजभाषा विभाग क्षेत्रीय कार्यालय , जोधपुर

1. सभी भारतीय भाषाओं पर
2. राजभाषा भारती
3. 10.05.1963
4. प्रधानमंत्री
5. मैथिलीशरण गुप्त
6. आगरा
7. जनवरी 1976
8. मूर्ख को उपदेश देना
9. तीन उप समितियां
10. 1967 (21वीं संविधान संशोधन द्वारा)
11. नियम - 5
12. नियम -9
13. 14 भाषाओं
14. हिन्दी
15. 1955
16. 12 नियम
17. बी.जी. खेर
18. रोमन
19. 22
20. जम्मू और कश्मीर प्रान्त
21. गौतम
22. राजस्थान
23. नियम - 10
24. 22 फरवरी
25. फणीश्वरनाथ रेणु
26. कविता संग्रह (यह तमिल भाषाओं की कविताओं के संग्रह की पुस्तक है)

आंचलिक गतिविधियाँ

जयपुर अंचल एवं क्षेत्र में मनाया गया 114वाँ स्थापना दिवस

जयपुर अंचल एवं क्षेत्र ने विश्वास की बुनियाद पर समृद्धि के सूत्र के साथ 114वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा गुब्बारे उड़ाकर सकारात्मकता का संदेश दिया गया।

जोधपुर क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम

बैंक के 114वें स्थापना दिवस के अवसर पर एमआईए, जोधपुर शाखा द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण किया गया।

जोधपुर क्षेत्र द्वारा वृद्धाश्रम में कार्यक्रम

बैंक के 114वें स्थापना दिवस के अवसर पर CSR कार्यक्रम के तहत जोधपुर क्षेत्र द्वारा जोधाणा वृद्धाश्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया द्वारा वृद्धजनों की सेवार्थ CCTV कैमरा एवं LED टीवी निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए।

अजेमर क्षेत्र में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर में श्री आर. सी. गग्गड, चेयरमैन, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अजमेर के मुख्य आतिथ्य में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया । कोविड गाइडलाइन के मद्देनजर कार्यक्रम का संक्षिप्त आयोजन किया गया ।

अजमेर क्षेत्र द्वारा स्टाफ सदस्यों का सम्मान

वित्त वर्ष 2020-21 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीसी एवं स्टाफ सदस्यों को श्री एस के बिरानी, क्षेत्रीय प्रमुख, अजमेर द्वारा सम्मानित किया गया ।

अजमेर क्षेत्र द्वारा केंद्रीय काराग्रह में डीप फ्रीजर भेंट

दिनांक 23 जून 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर द्वारा अजमेर स्थित केंद्रीय काराग्रह में डीप फ्रीजर भेंट किया गया । इसका उद्घाटन श्री राजीव दासोत – महानिरीक्षक (जेल), राजस्थान सरकार एवं श्री एम एस महनोत – महाप्रबन्धक एवं संयोजक – एसएलबीसी, राजस्थान के करकमलों द्वारा किया गया ।

भीलवाड़ा क्षेत्र में 114वे स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यालय भीलवाड़ा में बैंक का 114वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार खटोड़ द्वारा की गई। इस अवसर श्री खटोड़ ने दीप प्रज्ज्वलन कर व केक काटकर सभी साथियों को बधाई दी गई।

बांसवाड़ा क्षेत्र में 114वें स्थापना दिवस का आयोजन

बैंक के 114वें स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय बासँवाड़ा में स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री महेंद्र कुमार जैन, सहा. महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख, श्री जवानमल रमेशा तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बीकानेर क्षेत्र में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन

114वें स्थापना दिवस के अवसर पर बीकानेर क्षेत्र द्वारा श्री योगेश यादव, सहायक महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख तथा श्री नितिन अग्रवाल, मुख्य प्रबंधक एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख की उपस्थिति में द्वीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना की गई।

अलवर क्षेत्र में मोबाइल बैंकिंग हेतु #Commit2Digital अभियान

मोबाइल बैंकिंग के #Commit2Digital अभियान में सक्रिय भागीदारी करते हुए एक टीम के रूप मे बैंक मित्रों ने अद्भुत कार्य किया और अलवर क्षेत्र ने #Commit2Digital अभियान में 23164 M-Connect के साथ पैन इंडिया में दूसरा स्थान हासिल किया।

भरतपुर क्षेत्र में मेगा वसूली शिविर आयोजित

दिनांक 22-06-2021 को क्षेत्रीय कार्यालय भरतपुर के द्वारा श्री शिवराम मीना, क्षेत्रीय प्रमुख भरतपुर क्षेत्र की उपस्थिति में बीएसवीएस करौली में मेगा वसूली शिविर आयोजित किया गया, जिसमें ज़िले की 15 शाखाओं तथा क्षेत्र की अन्य शाखाओं से सम्बद्ध ऋणियों ने भाग लिया। शिविर में क्षेत्रीय प्रमुख महोदय द्वारा ऋणियों से संवाद स्थापित किया गया।

114वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय कार्यालय में कोटा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

114वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में (114 पौधों का वृक्षारोपण एवं क्षेत्रीय कार्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री आलोक सिंघल क्षेत्रीय प्रमुख ने सभी को शुभकामनाएँ दी।

भरतपुर क्षेत्र द्वारा 114वें स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

114वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय कार्यालय भरतपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवराम मीना एवं उपक्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम दास द्वारा क्षेत्र की बृज औध्योगिक क्षेत्र शाखा भरतपुर के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत पौधे लगाये गए ।

कोटा क्षेत्र द्वारा 114वें स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

कोटा क्षेत्र द्वारा बैंक के 114वें स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।

भरतपुर क्षेत्र द्वारा पुलिस कर्मियों का सम्मान

दिनांक 30.07.2021 को क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवराम मीना द्वारा पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्री मृदुल कच्छावा , एलडीएम श्री अमर सिंह भी उपस्थित रहे ।

बी.एस.बी.एस. जयपुर द्वारा बैंक मित्रों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बड़ौदा स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, जयपुर द्वारा दिनांक 13.09.2021 को बैंक मित्रों हेतु होम मेड वस्तुओं के निर्माण से संबन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अजमेर क्षेत्र की प्रतिष्ठित कार डीलर्स के साथ व्यवसाय वृद्धि हेतु बैठक

अजमेर क्षेत्र द्वारा दिनांक 24.09.2021 को अजमेर के प्रतिष्ठित कार डीलर्स के साथ व्यवसाय वृद्धि हेतु बैठक आयोजित की गई । क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी द्वारा डीलर्स हेतु बैंक द्वारा जारी आकर्षक योजनाओं पर चर्चा की गई ।

उदयपुर के प्रतापगढ़ जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

उदयपुर क्षेत्र के प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दिनांक 11.09.2021 को किया गया।

जयपुर क्षेत्र द्वारा मंडी व्यापारियों हेतु ऋण शिविर का आयोजन

जयपुर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी एस धनखड़ के मार्गदर्शन में दिनांक 04.09.2021 को मंडी व्यापारियों हेतु ऋण शिविर का आयोजन किया गया।

जोधपुर क्षेत्र में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह का आयोजन

दिनांक 05.09.2021 को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. पी.सी. त्रिवेदी सहित अन्य शिक्षकों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया के कर कमलों से सम्मानित किया गया ।

अजमेर क्षेत्र में व्यवसाय प्रतिनिधियों का सम्मान

अजमेर क्षेत्र द्वारा दिनांक 02.09.2021 को श्री प्रदीप बाफना – नेटवर्क DGM, जयपुर एवं श्री एस के बिरानी – क्षेत्रीय प्रमुख, अजमेर की उपस्थिति में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यवसाय प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया ।

जोधपुर क्षेत्र में हुंडई की कार i20 के नवीन मॉडल की लॉचिंग

दिनांक 07.09.2021 को राजा हुंडई, जोधपुर में हुंडई की कार i20 के नवीन मॉडल को जोधपुर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया ने लॉच किया।

अजमेर क्षेत्र द्वारा स्टाफ सदस्यों एवं व्यवसाय प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह

दिनांक 25 अगस्त 2021 को अजमेर क्षेत्र द्वारा पीसांगन ब्लॉक के स्टाफ़ सदस्यों एवं व्यवसाय प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया ।

अजमेर क्षेत्र में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन

75वें स्वतन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर सभी स्टाफ़ सदस्य एवं सेवानिवृत स्टाफ़ सदस्य उपस्थित रहे ।

क्षेत्रीय कार्यालय कोटा में जन्मदिवस समारोह का आयोजन

कोटा क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 01.09.2021 को जन्मदिवस समारोह का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा ने इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिला उद्योग संघ, अजमेर में आयोजित 'मिशन निर्यातक बनों' कार्यक्रम

दिनांक 4 अगस्त 2021 को जिला उद्योग संघ, अजमेर के तत्त्वावधान में आयोजित 'मिशन निर्यातक बनों' कार्यक्रम में श्री एस के बंसल, उपमहाप्रबंधक – जयपुर क्षेत्र एवं श्री एस के बिरानी, सहायक महाप्रबंधक – अजमेर क्षेत्र द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से विशेष प्रस्तुति दी गई।

अंचल कार्यालय में जन्मदिवस समारोह का आयोजन

अंचल कार्यालय, जयपुर में दिनांक 07.08.2021 को जन्मदिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत, श्री आर सी यादव, उप अंचल प्रमुख एवं श्री एस के बंसल, क्षेत्रीय प्रमुख जयपुर क्षेत्र ने स्टाफ सदस्यों को बधाइयाँ दीं।

जयपुर अंचल एवं क्षेत्र में स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन

बैंक ऑफ बड़ौदा, जयपुर अंचल एवं क्षेत्र द्वारा आयोजित स्वतन्त्रता दिवस के दौरान श्री आर सी यादव, उप अंचल प्रमुख और श्री संतोष कुमार बंसल, उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय परिसर जयपुर में ध्वजारोहण किया गया।

जयपुर क्षेत्र द्वारा बैंक मित्र कार्यशाला एवं सम्मान समारोह आयोजित

दिनांक 12 अगस्त 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर द्वारा बैंक मित्रों हेतु आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बैंक मित्रों को बैंक के विभिन्न उत्पादों की जानकारी दी गई एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक मित्रों को महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री महेंद्र सिंह महनोत एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री संतोष कुमार बंसल द्वारा सम्मानित किया गया।

वीकेआई शाखा, जयपुर क्षेत्र द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर क्षेत्र द्वारा हिन्दी माह के अंतर्गत दिनांक 23.09.2021 को वीकेआई शाखा में स्टाफ़ सदस्यों हेतु बैंक के डिजिटल चेनल्स के ज्ञान से संबंधित 'डिजिटल ज्ञानी' आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सहायक महाप्रबंधक डा. राजेश भाकर द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

अंचल के राजभाषा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन

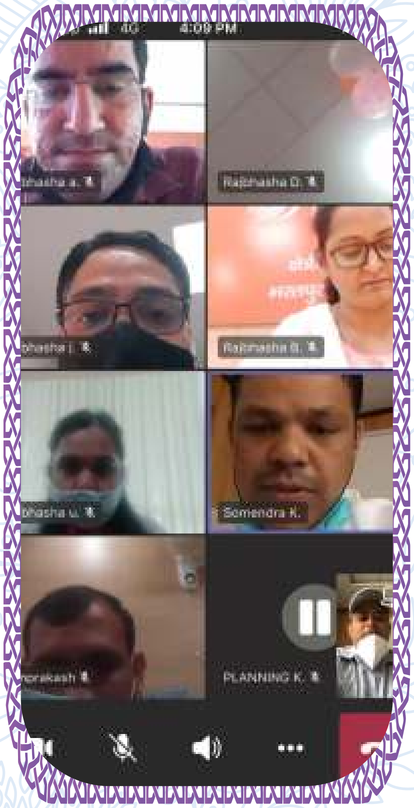

दिनांक 19.07.2021 को अंचल राजभाषा विभाग द्वारा अंचल के सभी राजभाषा अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अंचल कार्यालय द्वारा इस वित्त वर्ष में क्षेत्रीय राजभाषा अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई । तत्कालीन उप अंचल प्रमुख श्री योगेश अग्रवाल ने सभी क्षेत्रों को भविष्य में उत्तम कार्य करने हेतु निर्देशित किया ।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बाँसवाड़ा की तिमाही बैठक का आयोजन

दिनांक 29.07.2021 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बाँसवाड़ा की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहा. महाप्रबंधक श्री एम. के. जैन द्वारा की गई। बैठक में क्षेत्रीय कार्यालय, बाँसवाड़ा के सभी विभाग प्रमुखों द्वारा सहभागिता की गई।

नराकास (बैंक), जोधपुर की 20वीं छ:माही समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 22.07.2021 को नराकास (बैंक), जोधपुर की 20वीं छ:माही समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । इस अवसर पर गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग नई दिल्ली से श्री के पी शर्मा (उप निदेशक) सहित प्रधान कार्यालय से श्री पुनीत कुमार मिश्र (सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा एवं संसदीय समिति),सहित श्री सोमेन्द्र यादव (अंचल राजभाषा विभाग) शामिल रहे । बैठक के दौरान सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों को समिति के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जोधपुर के उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु आह्वान किया ।

बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जयपुर की 72वीं बैठक का आयोजन

बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जयपुर की 72 वीं बैठक दिनांक 26.08.2021 को आयोजित की गई । इस अवसर पर अंचल प्रमुख महाप्रबंधक श्री महेन्द्र सिंह महनोत, उप अंचल प्रमुख श्री आर सी यादव, सहित बैंक ऑफ बड़ौदा के राजभाषा प्रभारी श्री संजय सिंह उपस्थित रहे । बैठक के अंत में बैंक नराकास, जयपुर की पत्रिका बैंक ज्योति का विमोचन किया गया ।

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

हिंदी माह-2021 के अवसर पर दिनांक 26.08.2021 को जोधपुर क्षेत्रांतर्गत मॉडल शाखा के रूप में नामित विश्वविद्यालय परिसर शाखा में स्टाफ़ सदस्यों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रमुख श्री आलोक टंडन सहित शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जयपुर अंचल कार्यालय एवं बड़ौदा अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

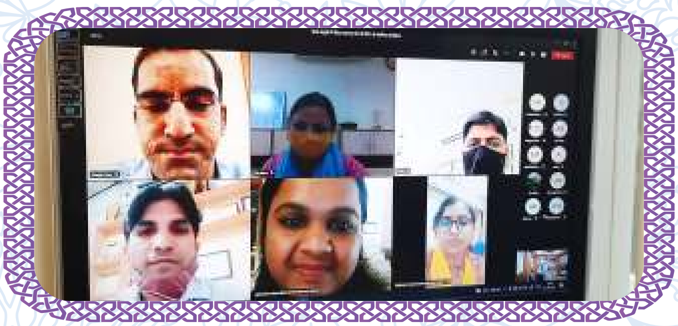

दिनांक 24.08.2021 को अंचल कार्यालय, जयपुर एवं बड़ौदा अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंचल के राजभाषा प्रेरकों हेतु पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई । इस कार्यशाला में कुल 18 अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे ।

जोधपुर क्षेत्र की मॉडल शाखा में हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

हिंदी माह-2021 के अवसर पर दिनांक 27.08.2021 को जोधपुर क्षेत्रांतर्गत मॉडल शाखा के रूप में नामित स्टेशन रोड शाखा में स्टाफ सदस्यों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रमुख श्री चिराग जेठवानी सहित शाखा के सभी स्टाफ़ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

जयपुर क्षेत्र द्वारा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

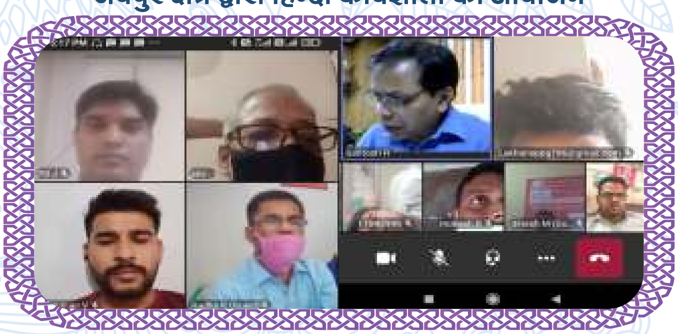

दिनांक 25.08.2021 को क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर द्वारा राजभाषा प्रेरकों हेतु पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान तकनीक/प्रौद्योगिकी का हिन्दी के विकास में योगदान विषय पर विशेष सत्र रखा गया। ।

एमआईए, जोधपुर शाखा में हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हिंदी माह-2021 के अवसर पर दिनांक 31.08.2021 को जोधपुर क्षेत्रांतर्गत एम आई ए शाखा में स्टाफ सदस्यों के लिए हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा के सभी स्टाफ़ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

भरतपुर क्षेत्र में खेडला बुजुर्ग में कृषक शिविर का आयोजन

दिनांक 05-08-2021 को क्षेत्रीय कार्यालय भरतपुर के तत्वावधान में खेडला बुजुर्ग स्थित पब्लिक स्कूल में कृषि मानसून महोत्सव के उपलक्ष्य में कृषक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री शिव राम मीना, क्षेत्रीय प्रमुख, भरतपुर क्षेत्र की उपस्थिति में दस शाखाओं के शाखा प्रमुख सहित क़रीब 100 कृषक ग्राहकों ने भाग लिया। क्षेत्रीय प्रमुख महोदय ने इस शिविर में पधारे हुए ऋणी कृषकों को ऋण राशि के चैक वितरित किए।

दौसा में कृषि मानसून महोत्सव का आयोजन

दिनांक 09-08-2021 को क्षेत्रीय कार्यालय भरतपुर के तत्वावधान में दौसा में कृषि मानसून महोत्सव के उपलक्ष्य में दौसा ज़िले की समीपवर्ती शाखाओं के लिए एक कृषक शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि श्री शिवराम मीना क्षेत्रीय प्रमुख, भरतपुर क्षेत्र रहे। क्षेत्र की आठ शाखाओं के शाखा प्रमुख सहित क़रीब 70 कृषक ग्राहकों ने भाग लिया ।

बीएसवीएस करौली एवं हिंडौन सिटी में कृषि मानसून महोत्सव

दिनांक 06-08-2021 को क्षेत्रीय कार्यालय भरतपुर के तत्वावधान में बीएसवीएस करौली एवं हिंडौन सिटी में कृषि मानसून महोत्सव के उपलक्ष्य में करौली ज़िले की शाखाओं के लिए एक कृषक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री शिव राम मीना क्षेत्रीय प्रमुख भरतपुर क्षेत्र रहे रहे, क्षेत्र की उन्नीस शाखाओं के शाखा प्रमुख सहित क़रीब 100 कृषक ग्राहकों ने भाग लिया।

पाली जिले द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कृषि ऋण वितरण शिविर

दिनांक 10.08.2021 को पाली जिले की सभी शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कृषि ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लाभान्वितों को ऋण स्वीकृति क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया एवं पाली मुख्य शाखा प्रमुख श्री जे पी मीणा ने किया।

घना भरतपुर ई-पत्रिका के पांचवे अंक का प्रकाशन

दिनांक 02.08.2021 घना भरतपुर ई - पत्रिका के पांचवे अंक का प्रकाशन क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिवराम मीना, उपक्षेत्रीय प्रमुख मनोज कुमार तिवारी की अध्यक्षता में किया गया ।

जैसलमेर जिले द्वारा कृषि ऋण वितरण शिविर का आयोजन

दिनांक 10.08.2021 को जैसलमेर जिले की सभी शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कृषि ऋण वितरण शिविर में किसानों एवं लाभान्वितों को ऋण वितरित उप क्षेत्रीय प्रमुख जोधपुर क्षेत्र श्री के सी शर्मा द्वारा किया गया ।

अलवर क्षेत्र में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 20 जुलाई 2021 को बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर अलवर क्षेत्र में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के शर्मा ने वृक्षारोपण कर स्टाफ़ सदस्यों को शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

अलवर क्षेत्र में ग्राहक संपर्क पहल कार्यक्रम का आयोजन -

दिनांक 22/09/2021 को अलवर में ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री प्रदीप चौधरी,सहायक महाप्रबंधक महाप्रबंधक , नाबार्ड एवं श्री आर के शर्मा क्षेत्रीय प्रमुख अलवर ने सभी ग्राहकों केशंकाओं का समाधान कर बैंकिंग संबंधी विभिन्न योजनाओं की जानकरियाँ दीं।

अलवर क्षेत्र में बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री ए के खुराना का दौरा

बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री ए के खुराना ने अलवर क्षेत्र के सीकर जिले में दिनांक 24/08/2021 को जिले के शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक में प्रतिभागिता कर व्यवसाय विकास के लिए महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत एवं श्री आर के शर्मा क्षेत्रीय प्रमुख ने कार्यपालक निदेशक महोदय का स्वागत किया।

जयपुर क्षेत्र ऑनलाइन हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन

बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर एवं बैंक नराकास, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27.09.2021 को कृषि तकनीकों/योजनाओं के विस्तार में हिन्दी एवं क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य डॉ. जे पी यादव, प्रभारी, कृषि प्रसार शिक्षा, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) ने संबोधित किया। इस दौरान सदस्य कार्यालयों से संबद्ध कृषि अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी जुड़े रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय, झुंझुनूं में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय, झुंझुनूं द्वारा 14 सितम्बर 2021 को अपरा 03.00 बजे हिंदी प्रतियोगिता (शब्दार्थ, वाक्य प्रयोग और राजभाषा एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता) का आयोजन ऑफ लाइन माध्यम से किया गया, जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता की गई तथा शाम 04.30 बजे से हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हमारे क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी.एल.सुंडाजी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस.एम.टेलर जी एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जयपुर अंचल एवं क्षेत्र में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 14-09-2021 को जयपुर अंचल एवं क्षेत्र द्वारा महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री महेन्द्र सिंह महनोत की अध्यक्षता एवं जयपुर के प्रख्यात साहित्यकार श्री ईशमधु तलवार के विशिष्ट आतिथ्य में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित स्टाफ़ सदस्यों को 'राजभाषा प्रतिज्ञा' दिलवाते हुए श्री महनोत ने कहा कि हिन्दी दिवस की सार्थकता तभी है, जब हम प्रत्येक वर्ष इसके कार्यालयीन कार्यान्वयन की दिशा में कुछ वृद्धि दर्ज उदयपुर क्षेत्र द्वारा करें। समारोह के दौरान माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संदेश को पढ़कर सुनाया गया तथा श्री संजीव चड्ढा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा के विडियो संदेश को सभी तक पहुंचाया गया, वहीं हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में श्री ईशमधु तलवार को अंचल की ओर से सम्मानित किया गया।

जयपुर अंचल में हिन्दी माह का गरिमामयी आयोजन

जयपुर अंचल में 07 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक हिन्दी माह का गरिमामयी आयोजन किया गया, जिसमे कई प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान अधीनस्थ स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित शुद्ध लेखन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते जयपुर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दलराज सिंह धनखड़।

जयपुर क्षेत्र द्वारा हिन्दी ई मेल प्रतियोगिता एवं हिन्दी दिवस का आयोजन

जयपुर क्षेत्र द्वारा हिन्दी दिवस 2021 के अवसर पर दिनांक 14.09.2021 को जुलाई 2021 माह के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के विभागों के मध्य आयोजित हिन्दी ई-मेल प्रतियोगिता के विजेता विभागों को पुरस्कृत किया गया।

अजमेर क्षेत्र में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 14 सितंबर 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे स्टाफ सदस्यों को क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी ने सम्मानित किया।

ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 08.09.2021 को हिन्दी माह 2021 के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्यों के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कहूत (kahoot) के माध्यम से किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 14 सितंबर, 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर में क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल माहेश्वरी की अध्यक्षता में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के माननीय गृह मंत्री का हिंदी दिवस संदेश पढ़ा गया एवं राजभाषा प्रतिज्ञा ली गई तथा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय का संदेश सुनाया गया।

बीकानेर क्षेत्र में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

हिंदी दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर द्वारा 14 सितम्बर 2021 को हिंदी प्रतियोगिता (शब्दार्थ, वाक्य प्रयोग और राजभाषा एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता) का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया, जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ़ सदस्यों द्वारा प्रतिभागिता की गई तथा हिंदी दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विष्णु दत्त जोशी हिंदी व्याख्याता को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री योगेश यादव ,उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री नितिन अग्रवाल एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ़ सदस्य उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा क्षेत्र में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

हिन्दी दिवस 2021 के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टाफ़ सदस्यों के लिये हिन्दी माह में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कोटा क्षेत्र में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

हिन्दी दिवस 2021 के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा में दिनांक 14.09.2021 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मुकेश मेहरा क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा की गई । इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ़ सदस्य उपस्थित रहे।

सवाईमाधोपुर क्षेत्र में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 6/9/2021 को सवाई माधोपुर क्षेत्र राजभाषा विभाग द्वारा सभी शाखाओं के राजभाषा प्रेरकों हेतु राजभाषा रेटिंग एवं सितंबर तिमाही हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक कुमार विजयवर्गीय जी द्वारा अध्यक्षीय वक्तव्य के साथ शाखाओं को शत प्रतिशत हिन्दी मे कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

हिन्दी शब्दों से वाक्य बनाएं प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 7/9/2021 को सवाई माधोपुर क्षेत्र, राजभाषा विभाग द्वारा सभी स्टाफ़ सदस्यों हेतु हिन्दी शब्दों से वाक्य बनाएं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक कुमार विजयवर्गीय द्वारा की गई । इस प्रतियोगिता में सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

सवाई माधोपुर क्षेत्र द्वारा हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 14/9/2021 को हिन्दी दिवस के अवसर पर सवाई माधोपुर क्षेत्र, राजभाषा विभाग द्वारा सभी स्टाफ़ सदस्यों हेतु हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मोअज़्ज़म मसूद ने की। उन्होंने निज भाषा के सम्मान एवं भाषा से देश की प्रगति और उत्थान के विषय मे अवगत करवाया एवं व्यवहार तथा आंतरिक कामकाज में राजभाषा को आत्मसात करने की सलाह दी। निर्णायक की भूमिका क्षेत्रीय व्यवसाय विकास प्रमुख श्री आर पी मीना जी ने निभाई। इस प्रतियोगिता में सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यपालक निदेशक का जयपुर दौरा

बैंक के तत्कालीन कार्यपालक निदेशक श्री एस एल जैन ने जयपुर अंचल का दौरा दिनांक 21.08.2021 को किया, इस अवसर पर आपने अंचल कार्यालय के विभाग प्रमुखों के साथ विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की ।इस अवसर पर अंचल प्रमुख महाप्रबंधक श्री एम एस महनोत, उप अंचल प्रमुख श्री आर सी यादव, उप महाप्रबंधक नेटवर्क श्री प्रदीप बाफना एवं श्री बी एल मीना सहित क्षेत्रीय प्रमुख जयपुर श्री एस के बंसल सहित अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय के सभी स्टाफ़ उपस्थित थे ।

कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना का जयपुर दौरा

दिनांक 24.08.2021 को कार्यपालक निदेशक श्री अजय के खुराना के जयपुर दौरे के दौरान अंचल एवं जयपुर क्षेत्र का निरीक्षण कर विभाग प्रमुखों एवं स्टाफ़ सदस्यों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

bob World

पूरी करें अपनी अनगिनत ख्वाहिशें

सिर्फ़ तीन क्लिक में पाएं ऋण

SAVE | INVEST | BORROW | SHOP

www.bobworld.com

DOWNLOAD NOW

bob World

WE LIVE IN YOUR WORLD

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

मुद्रक : प्रिन्ट-ओ-प्रिन्ट, जयपुर ● मो.: 9414043784